राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 363
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 25 नवंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 निक्की हत्याकांड : पुलिस ने 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की

पेज 4 एसआईआर-2026 विशेष पुनरीक्षण को मिली रफ़्तार

पेज 6 हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना

एक्टर धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन

विले पार्ले श्मशान घाट में अंतिम संस्कार; पत्नी हेमा और बेटी ईशा मौजूद थीं; अमिताभ, सलमान-शाहरुख भी पहुंचे

एजेंसी

मुम्बई। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया है। 89 साल के धर्मेंद्र ने सोमवार दोपहर अपने घर पर अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान भूमि में हुआ, जिसमें सलमान खान, संजय दत्त, अमिताभ बच्चन, आमिर खान समेत कई सेलेब्स पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन को एक युग के अंत का संकेत कहा है। 1 बजकर 10 मिनट पर धर्मेंद्र के निधन की जानकारी मिली। दोपहर में उनके घर के बाहर एम्बुलेंस पहुंची थी और विले पार्ले श्मशान भूमि में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई थी। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर एम्बुलेंस से श्मशान घाट पहुंचाया गया। दोपहर 3 बजे के करीब धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार हुआ।

श्रद्धांजलि देने के लिए सेलेब्स देओल परिवार के घर पहुंचे

धर्मेंद्र के निधन के बाद से सेलेब्रिटीज का देओल परिवार के घर आना जारी है। सोमवार को शाम को रेखा, प्रीति जिंटा, काजोल, फरहान और जोया अख्तर, शिल्पा-शमिता शेट्टी, वत्सल सेठ, अतुल और अलवीरा अग्निहोत्री समेत कई सेलेब्स श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

12 नवंबर को धर्मेंद्र को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था

धर्मेंद्र कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। 10 नवंबर को उन्हें सांस लेने में दिक्कत आई थी, जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया। इस दौरान उन्हें वैंटिलेटर में रखा गया। मीडिया में उनके निधन की खबर भी आई, जिसे परिवार ने नकार दिया। 12 नवंबर को धर्मेंद्र को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया था और डॉक्टरों ने घर पर ही उनके आगे के इलाज की बात कही थी।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली दंगा केस-सुप्रीम कोर्ट में 2 दिसंबर तक सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगे केस की सुनवाई 2 दिसंबर तक टल गई है। सोमवार को अदालत का समय खत्म होने की वजह से शरजील ईमाम, उमर खालिद समेत मामले में सात आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हो पाई। इससे पहले 21 नवंबर को हुई सुनवाई के दौरान पुलिस ने कहा था कि दिल्ली दंगे अचानक नहीं भड़के थे, बल्कि इन्हें पहले से पूरी योजना बनाकर कराया गया था। पुलिस ने दावा किया था- दंगों के लिए टेरर फंडिंग की गई और प्रदर्शन को जानबूझकर हिंसक मोड़ दिया गया। दंगों से पहले हुई मीटिंग्स में नॉर्थ ईस्ट को भारत से अलग करने की बात की गई।

इंडिया गेट पर नक्सली हिड़मा के पोस्टर लहराए गए

नई दिल्ली। दिल्ली में इंडिया गेट पर रविवार देर शाम वायु प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल लोगों ने देश के मोस्ट वांटेड नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44) के पोस्टर लहराए। पोस्टरों में हिड़मा की तुलना आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा से की गई। हिड़मा को जल, जंगल और जमीन का रखवाला बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने माड़वी हिड़मा अमर रहे जैसे नारे लगाए। उन्होंने पोस्टरों पर भी माड़वी हिड़मा को लाल सलाम जैसे नारे लिखे थे। एक प्रदर्शनकारी के पोस्टर पर लिखा था बिरसा मुंडा से लेकर माड़वी हिड़मा तक, हमारे जंगलों और पर्यावरण का संघर्ष जारी रहेगा।

देश के 53वें सीजआई बने जस्टिस सूर्यकांत

शपथ के बाद भाई-बहन के पैर छुए, पूर्व सीजआई गवई से गले मिले; मोदी-शाह से मिलने पहुंचे

नई दिल्ली। जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग भी शामिल हुए।

शपथ के बाद सीजआई सूर्यकांत ने पीएम मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व सीजआई बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में ब्राजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे।

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार किसी सीजआई के शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य भी पहुंचे।

इस दौरान पूर्व सीजआई गवई ने एक नई मिसाल कायम की। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने अपनी आधिकारिक गाड़ी राष्ट्रपति भवन में ही अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए छोड़ दी।

सीजआई सूर्यकांत का कार्यकाल 14 महीने का होगा

वर्तमान सीजआई बीआर गवई का कार्यकाल रविवार 23 नवंबर को खत्म हो गया। उनके बाद अब जस्टिस सूर्यकांत यह जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा।

दिल्ली में गलत रनवे पर उतरा अफगानिस्तान का प्लेन

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। यहां अफगानिस्तान का एक विमान उड़ान भरने वाले रनवे पर उतर गया। गनीमत रही कि इस रनवे पर कोई दूसरा विमान नहीं था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

घटना रविवार दोपहर 12: 06 बजे की है, लेकिन सोमवार सुबह मीडिया में आई। अफगानिस्तान की एरियाना एयरलाइंस की यह फ्लाइट एफजी 311 काबूल से आ रहा था। सूत्रों के मुताबिक, विमान को रनवे 29 लेफ्ट (29 एल) पर लैंडिंग की अनुमति दी गई थी, लेकिन पायलट ने गलती से इसे रनवे 29 राईट (29 आर) पर उतार दिया। यह रनवे आमतौर पर टेकऑफ के लिए इस्तेमाल होता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस समय रनवे 29 आर पर कोई विमान टेकऑफ के लिए मौजूद नहीं था, वरना गंभीर हादसा हो सकता था। एविएशन अथॉरिटीज ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसआईआर

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे बूथ स्तर के अधिकारी, कथित अत्यधिक कार्य दबाव को लेकर कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय तक विरोध मार्च के दौरान नारे लगाते हुए।

उत्तराखंड में नदी-झरने जमे, बद्रीनाथ में तापमान माइनस 16

एमपी में अगले 3 दिन बादल छाए रहेंगे; राजस्थान में हवा चलने से सर्दी कम हुई

भोपाल/जयपुर/देहरादून। देश के पहाड़ी राज्यों में सर्दी शुरू हो गई है। उत्तराखंड में पारा गिरने से सर्द हवाएं चल रही हैं। बद्रीनाथ में तापमान माइनस 16 से भी नीचे पहुंच गया है। यहां नदी और झरने जमने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हो सकती है।

मध्यप्रदेश में मौसम ने करवट बदली है। बीते 2 हफ्ते सर्दी के बाद अब ज्यादातर जिलों का तापमान बढ़ गया है।

मौसम वैज्ञानिकों ने कहा- प्रदेश के दक्षिणी हिस्से के कुछ जिलों में अगले 2-3 दिन हल्के बादल छाए रहे, लेकिन 28 नवंबर तक मौसम साफ रहेगा।

इधर राजस्थान में पश्चिमी हवाएं चलने से रात के तापमान में बढ़ोतरी हो गई है। प्रदेश के 6 शहरों को छोड़कर सभी में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। हालांकि कुछ जिलों में सुबह के समय धुंध छाई रही। अगले कुछ दिनों तक मौसम सामान्य बना रहेगा।

दिल्ली-एनसीआर में 50 प्रतिशत स्टाफ को वर्क फ्रॉम होम जरूरी

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सोमवार को आदेश दिया कि अब सरकारी और प्राइवेट ऑफिस सिर्फ 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करेंगे। बाकी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। साथ ही शहर में ग्रेप-3 के नियम लागू कर दिए गए हैं। यह आदेश पर्यावरण विभाग ने एनवायरनमेंट (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1986 की धारा 5 के तहत जारी किया है। विभाग का कहना है कि प्रदूषण बहुत ज्यादा बढ़ गया है, इसलिए ट्रांसपोर्ट और ऑफिसों से होने वाले धुएं को कम करना जरूरी है। सरकारी दफ्तरों में सचिव और विभागाध्यक्ष रोज ऑफिस आएंगे, लेकिन बाकी स्टाफ का आधा हिस्सा ही ऑफिस में मौजूद रहेगा।

तमिलनाडु में 2 बसों की आमने-सामने टक्कर, 6 लोगो की मौत

- 30 यात्री घायल; पुलिस बोली- ड्राइवर की गलती से हादसा, ओवरस्पीड में चला रहा था

तेनकासी। तमिलनाडु के तेनकासी जिले में सोमवार को दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 यात्री घायल हो गए हैं।

मरने वालों में 5 महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस और तेनकासी से कोविलपट्टी जा रही बस में सोमवार सुबह 11 बजे टकरा गईं।

पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि गलती ड्राइवर की थी। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस का ड्राइवर लापरवाही और तेज स्पीड में गाड़ी चला रहा था।

घायल यात्रियों का नजदीकी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कुछ पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

25 एम्बुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया

बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। कटर की मदद से बस के क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर यात्रियों को बाहर निकालना पड़ा। इसके बाद उन्हें अस्पताल में इलाज के लिए 25 से ज्यादा एम्बुलेंस बुलाई गईं। जब हादसा हुआ तब दोनों बसों में कम से कम 55 लोग सवार थे।

उत्तराखंड में श्रद्धालुओं से भरी बस खाई में गिरी : 5 की मौत

गुजरात-हरियाणा समेत 7 राज्यों के 13 लोग घायल

टिहरी। उत्तराखंड के टिहरी में श्रद्धालुओं से भरी बस 70 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। टिहरी के एसएसपी आयुष अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुए इस हादसे में गुजरात, हरियाणा, बिहार, उत्तरप्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और दिल्ली के 13 लोग घायल हैं, जिसमें से 6 की हालत नाजुक है।

बस ऋषिकेश के दयानंद आश्रम से 29 लोगों को कुंजापुरी मंदिर लेकर गई थी, यहीं से लौटते वक्त कुंजापुरी-हिंडोलाखाल के पास अचानक बस के ब्रेक फेल हो गए और ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया।

नरेंद्रनगर थाने के दरोगा संजय ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे के बाद बस के अंदर से शवों को बाहर निकाला गया। बुरी तरह घायल हुए 6 लोगों को ऋषिकेश स्थित एम्स में भर्ती करवा गया है जबकि 7 लोगों को नरेंद्रनगर के श्री देव सुमन अस्पताल में भेजा गया है। 5 मृतकों में 4 महिलाएं और 1 युवक शामिल है।

घायलों में सबसे ज्यादा गुजरात के लोग

घायलों में दिल्ली के 69 वर्षीय नरेश चौहान शामिल हैं, जबकि हरियाणा अंबाला से 50 वर्षीय दीक्षा घायल हुई हैं। गुजरात से सबसे अधिक लोग घायल हैं, जिनमें 63 वर्षीय बालकृष्ण, 60 वर्षीय चैतन्य जोशी, 71 वर्षीय प्रशांत ध्रुव, 70 वर्षीय प्रतिभा ध्रुव शामिल हैं। महाराष्ट्र, मुंबई से 52 वर्षीय अर्चिता गोयल, शिवकुमार शाह और 55 वर्षीय माधुरी घायल हुए। उत्तराखंड से 60 वर्षीय शंभू सिंह, उत्तर प्रदेश वाराणसी से 50 वर्षीय राकेश और पंजाब से 49 वर्षीय दीपशिखा भी इस दुर्घटना में घायल हैं।

मृतकों में दिल्ली, गुजरात और उत्तरप्रदेश के लोग शामिल

इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जिनमें दिल्ली की अनीता चौहान, गुजरात के पार्थसाथी मधुसूदन जोशी, महाराष्ट्र की नमिता प्रभोध, बैंगलुरु के अनुज वेंकटरमन और सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के आशु त्यागी शामिल हैं। सभी यात्रियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी।

जंगलराज

भीड़ ने दोनों बदमाशों को पीट-पीटकर मार डाला; 20 करोड़ की जमीन का विवाद था

पटना में बदमाशों ने कारोबारी की गोली मारकर हत्या की

पटना। पटना में सोमवार को बाइक सवार दो बदमाशों ने कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने कारोबारी पर एक के बाद एक 6 फायर किए।

हत्या करके भाग रहे दोनों बदमाशों को मौके पर मौजूद लोगों ने पीछा करके घटनास्थल से 200 मीटर दूर दबोच लिया और पीट-पीटकर दोनों को मार डाला।

बताया जा रहा है कि प्रॉपर्टी विवाद में कारोबारी की हत्या हुई है। मारे गए कारोबारी भूपतिपुर के रहने वाले 65 साल के अशरफी राय थे।

डीएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला 20 करोड़ रुपए कीमत वाली जमीन के विवाद से जुड़ा है। मारे गए दोनों बदमाशों की पहचान नहीं हो पाई है।

मौके से 10 से ज्यादा खोखे मिले हैं। इसमें से 6 गोली कारोबारी को लगी है। इससे लगता है कि अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की है। घटना गोपालपुर थाना क्षेत्र के डोमनचक इलाके की है।

गांव वाले बोले- गोली की आवाज सुनकर भीड़ जुट गई

गांव के लोगों ने बताया कि गोली की आवाज सुनकर हम मौके पर पहुंचे थे।

देखा तो कुछ लोग बाइक अशरफी सिंह की हत्या कर के भाग रहे थे। थोड़ी देर में चारों तरफ से भीड़ ने दोनों को घेर लिया। वो भीड़ पर फायरिंग करना चाह रहे थे।

लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद भाला, गड़ासा, ईंट, पत्थर से पीट- पीटकर मार डाला। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया है।

एक दूसरे से 20 फीट दूर पड़े मिले बदमाशों के शव

पुलिस के गांव में पहुंचते ही सन्नाटा पसर गया। हत्या के बाद लोग अपने-अपने घरों में दुबके हुए हैं। दोनों अपराधियों की बॉडी एक दूसरे से 20 फीट की दूरी पर मिली है।

इससे ये समझा जा रहा है कि भीड़ ने दोनों को अलग-अलग पकड़कर पीटा है।

दोनों के शरीर पर चोट के कई निशान हैं। सिर कूच दिया गया है। हाथ-पैर पर भी कई कट लगे हैं। भाले और गड़ासे से हमले के निशान हैं।

राजनीतिक दलों को 2000 तक कैश डोनेशन की इजाजत क्यों

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार,चुनाव आयोग और पार्टियों को नोटिस देकर जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें इनकम टैक्स के उस प्रोविजन की वैधता को चुनौती दी गई है जो राजनीतिक दलों को 2,000 रुपए तक कैश डोनेशन पर टैक्स में छूट देता है। याचिका में दावा किया गया है कि देशभर में हर जगह डिजिटल पेमेंट बहुत ही बढ़िया तरीके से हो रहा है, फिर 2000 रुपए तक के नकद चंदे की परमिशन दिए जाने का कोई औचित्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें राजनीतिक दलों के चंदे में पारदर्शिता की मांग उठाई गई थी। याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता की यह कमी चुनाव प्रक्रिया को कमजोर करती है। यह प्रोविजन इससे वोटर्स को राजनीतिक दलों को पैसा कहां से मिल रहा है,दानकर्ता कौन हैं, उनका उद्देश्य क्या है, इस बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित करता है। इससे वे वोट डालते समय तर्कसंगत, बुद्धिमानी और पूरी तरह से सही फैसला नहीं ले पाते।

हैप्पी मॉर्निंग

नौकर- सेठ जी छुट्टी दे दो, गांव जाना है
सेठ- पर गांव क्यों जाना है?
नौकर- मेरी शादी है इसलिए
सेठ- कितने दिनों की छुट्टी चाहिए?
नौकर- ये तो बहू का चेहरा देखकर ही बता पाऊंगा

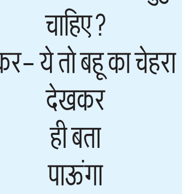

शायरी

मिट्टी का बेटा हूं मरते-मरते भी कुछ कर जाऊंगा. उखड़ती बूढ़ी सांसों से चुरा के चंद सांसें, मैं चीर के सीना धरती का- फसल नई बो दूंगा

अर्थसार

संसेक्स:
84,900.71
-331.21 (0.39%)
निफ्टी:
25,959.50
-108.65

मौसम

अधिकतम : 23 डिग्री से0
न्यूनतम : 09 डिग्री से0
सूयोदय बुधवार : 6 : 54
सूर्यास्त मंगलवार : 5 : 27

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

2
संपादकीय

गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 25 नवंबर 2025
Www.vishalindia.in

संपादकीय

पढ़ाई और परीक्षा का दबाव : आत्महत्या की चिंताजनक घटनाएँ

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत में हर साल हजारों छात्र पढ़ाई और परीक्षा के दबाव में अपनी जान दे देते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल आत्महत्याओं में से लगभग 8-10त्र केवल छात्रों की होती हैं। यह आंकड़ा 13,000 से अधिक छात्र आत्महत्याओं का है, जिसमें सबसे ज्यादा मामले कोटा (राजस्थान), हैदराबाद, चेन्नई और दिल्ली जैसे कोचिंग हब्स से आते हैं। ये आंकड़े सिर्फ सरकारी रिकॉर्ड हैं; असल संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है क्योंकि कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

परीक्षा का दबाव अब एक महामारी बन चुका है। दसवीं-बारहवीं बोर्ड, JEE, NEET, UPSC, CLAT जैसी प्रतियोगी परीक्षाएँ छात्रों के लिए जीवन-मरण का सवाल बन गई हैं। एक सीट के लिए लाखों बच्चे लड़ते हैं। कोटा में एक NEET की सीट के लिए औसतन 300-400 छात्र प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस असंभव प्रतिस्पर्धा में 99.9 परसेंटाइल भी पर्याप्त नहीं होता। नतीजा यह होता है कि बच्चा खुद को असफल मानने लगता है, जबकि वास्तव में वह लाखों में सर्वश्रेष्ठ में से एक होता है।

दबाव कहाँ से आता है? सबसे पहले परिवार से। माता-पिता की अपेक्षाएँ अक्सर उनकी अपनी अधूरी ख्वाहिशें होती हैं। डॉक्टर या इंजीनियर बनना है, वरना जीवन बर्बाद - यह वाक्य लाखों घरों में रोज सुनाई देता है। कोचिंग इंडस्ट्री इस डर को और बढ़ाती है। कोटा अकेले हर साल 2.5 लाख से ज्यादा छात्रों को लुभाती है और अरबों रुपये कमाती है। वहाँ छात्रों को 16-18 घंटे पढ़ने के लिए मजबूर किया जाता है, नींद 4-5 घंटे से कम। हॉस्टल के कमरों में "All the best" के साथ-साथ "Dont give up" जैसे पोस्टर लगे होते हैं, लेकिन असल में वहाँ आत्महत्या की खबरें आम हैं। 2023-24 में कोटा से ही 25 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की।

स्कूल और कॉलेज भी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। रटंत प्रणाली, लगातार टेस्ट, रैंकिंग का दबाव, शिक्षकों का ताना - ये सब मिलकर बच्चे के आत्मसम्मान को कुचल देते हैं। सोशल मीडिया पर दूसरों की सफलता की चमकदार तस्वीरें देखकर बच्चा खुद को और छोटा महसूस करता है। मानसिक स्वास्थ्य की बात तो दूर, ज्यादातर स्कूलों-कोचिंग में काउंसलर तक नहीं होते।

ये आत्महत्याएँ सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, सामाजिक विफलता हैं। एक 16-17 साल का बच्चा जब यह सोचकर जान दे देता है कि -मैं फेल हो गया, अब जीने का कोई मतलब नहीं-, तो इसका मतलब है कि हमारी पूरी व्यवस्था उसे यह विश्वास दिलाने में नाकाम रही है कि जीवन परीक्षा से बड़ा है।

क्या किया जा सकता है?

माता-पिता को समझना होगा कि उनके बच्चे की खुशी करियर से ज्यादा महत्वपूर्ण है। अपेक्षाएँ रखें, लेकिन लचीलापन भी दिखाएँ।

स्कूलों-कोचिंग में अनिवार्य रूप से योग्य मनोवैज्ञानिक नियुक्त किए जाएँ। फेल होना या कम नंबर आना अपराध नहीं है, इस बात को बार-बार दोहराया जाए।

परीक्षा प्रणाली में सुधार जरूरी है। एक परीक्षा से पूरे भविष्य का फैसला नहीं होना चाहिए। कई प्रयासों की छूट, ग्रेडिंग सिस्टम में सुधार, वैकल्पिक करियर के बारे में जागरूकता बढ़ानी होगी।

सरकार को कोचिंग इंडस्ट्री पर सख्त नियंत्रण करना चाहिए। हॉस्टल की स्थिति, पढ़ाई के घंटे, मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएँ ङ्क सबकी निगरानी हो।

बच्चों को बचपन से ही असफलता से निपटना सिखाना होगा। खेल, कला, संगीत जैसी गतिविधियाँ अनिवार्य हों।

अंत में, हमें यह स्वीकार करना होगा कि सफलता का हमारा परिभाषा ही गलत है। डॉक्टर-इंजीनियर बनना जीवन का एकमात्र लक्ष्य नहीं हो सकता। जब तक हम बच्चे को उसकी क्षमता के अनुसार नहीं, बल्कि हमारी महत्वाकांक्षाओं के अनुसार नहीं जीने देंगे, तब तक ये दर्दनाक खबरें आती रहेंगी। एक बच्चे की जान से ज्यादा कीमती इस दुनिया में कुछ नहीं। उसे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

नई श्रम संहिताएं

इसमें दो राय नहीं कि नई श्रम संहिताएं लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नये दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम संहिताओं मसलन वेतन,औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। केंद्र सरकार 29 केंद्रीय कानूनों की जगह चार संहिताओं को लाने वाले इस कदम को ऐतिहासिक सुधार के तौर पर पेश कर रही है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। इस पहल में कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वायदा किया गया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं। सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं। निश्चित रूप से सामाजिक-सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। सही मायनों में यह बदलाव लंबे से समय से वैधानिक दायरे से बाहर रह रहे एक बड़े वर्ग को मान्यता प्रदान करता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा।

वहीं दूसरी ओर ये संहिताएं महिलाओं के लिये भी रोजगार की समान परिस्थितियां अनिवार्य बनाती हैं। इस प्रयास से महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी का दायरा बढ़ेगा। हालांकि, इन प्रयासों से जुड़ी कुछ जरूरी चेतावनियां भी सामने आ रही हैं। उदाहरण के लिये औद्योगिक संबंध संहिता, छंटनी और संस्थान को बंद करने के लिये सरकारी मंजूरी की सीमा को सौ कामगारों से बढ़ाकर तीन सौ कर देती है। इन नई श्रम संहिताओं के लागू होने पर उद्योग जगत जहां इस बदलाव को लचीला बताकर स्वागत कर रहा है, वहीं श्रम संगठनों को चिंता है कि इससे रोजगार की सुरक्षा कम होगी। ऐसी ही कई आशंकाओं को लेकर देश की कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

उनका तर्क है कि नई व्यवस्था कामगारों के सामूहिक दबाव से बातचीत की गुंजाइश को कमजोर करती है। साथ ही सत्ता का झुकाव नियोक्ताओं की ओर नजर आता है। वहीं दूसरी ओर नये प्रावधानों का क्रियान्यवन राज्यों पर निर्भर करेगा। जिन्हें इसके बाबत पूरक नियम बनाने होंगे। राज्यों द्वारा असमान रूप से प्रावधान अपनाने से एकीकृत रूप से राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर इन संहिताओं की सफलता प्रवर्तन की ईमानदारी पर निर्भर करेगी। यह प्रयास तभी प्रभावी होगा जब कार्य परिस्थितियों का पारदर्शी निरीक्षण, सकारात्मक परिणाम देने वाले शिकायत तंत्र और अनौपचारिक कार्यबल तक सही मायने में पहुंचने वाली सामाजिक सुरक्षा योजनाएं सिरे चढ़ सकेंगी। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा।

अभी न जाओ छोड़ के : 'ही मैन' धर्मेंद्र को समर्पित

धर्मेंद्र : एक युग की विदाई, एक हीरो का अमरत्व

धर्मेंद्र का जाना सिर्फ एक अभिनेता का जाना नहीं, बल्कि एक युग का शांत हो जाना है। गाँव की मिट्टी से उठकर सिनेमा के आसमान तक पहुँचे इस कलाकार ने अपने अभिनय से नहीं, बल्कि अपनी सादगी और मानवीयता से करोड़ों दिल जीते। रोमांस से लेकर एक्शन और कॉमेडी तक—हर भूमिका में वे जीवन की सच्चाई लेकर आए। शोले का वीरू, चुपके चुपके का प्रोफेसर, मेरा गाँव मेरा देश का नायक—ये सारे सिर्फ किरदार नहीं, हमारी यादों का हिस्सा हैं। धर्मेंद्र चले गए, लेकिन उनका उजाला हमेशा रहेगा।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

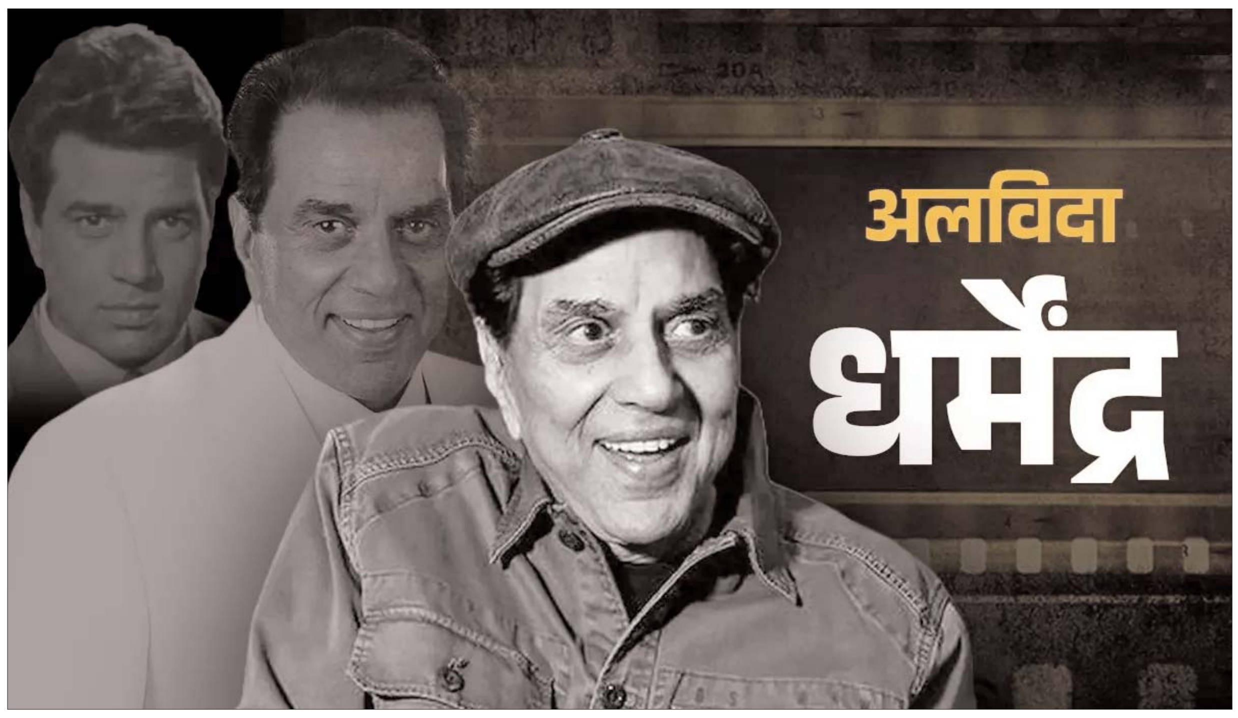

हिंदी सिनेमा ने अपने लंबे सफर में कई सितारों को जन्म दिया, पर उनमें कुछ ऐसे हैं जिनकी रोशनी समय के साथ कम नहीं होती, बल्कि हर पीढ़ी की आँखों में एक नई चमक लेकर जीवित रहती है। धर्मेंद्र उन्हीं दुर्लभ सितारों में से थे, जो सिर्फ अभिनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय समाज के भावनात्मक ताने-बाने का हिस्सा बन चुके थे। उनका जाना एक ऐसी खामोशी छोड़ गया है, जिसे शब्दों में बाँध पाना मुश्किल है। वे सिर्फ पर्दे पर दिखने वाली एक छवि नहीं थे; वे एक ऐसे इंसान थे, जिनकी गर्माहट और विनम्रता ने दर्शकों को अपने परिवारों के किसी सदस्य की तरह उनसे जोड़ दिया था।

धर्मेंद्र की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। पंजाब के एक छोटे से गांव नसराली से शुरू हुई यह यात्रा संघर्ष, मेहनत और सपनों की शक्ति का जीवंत उदाहरण है। एक साधारण किसान परिवार में जन्मा लड़का जब फिल्मों की दुनिया की चमक-दमक में पहुंचता है, तो आमतौर पर व्यक्ति अपनी मूल पहचान खो बैठता है, लेकिन धर्मेंद्र ऐसे नहीं थे। उन्होंने अपनी जड़ों को कभी नहीं छोड़ा। वही सादगी, वही देसीपन, वही अपनापन उनकी हर मुस्कान में दिखाई देता था। यही कारण है कि वे सिर्फ 'स्टार' नहीं बने, वे 'दिलों का हीरो' बने।

1960 के दशक में जब उन्होंने सिनेमा के परदे पर कदम रखा, तब दर्शकों ने यह अंदाज़ा नहीं लगाया होगा कि यह युवक अगले कई दशकों तक हिंदी फिल्मों का सबसे प्रिय चेहरा बनने वाला है। शुरुआत भले ही धीमी रही हो, पर उनकी आँखों में मौजूद मासूमियत और व्यक्तित्व में छिपा गहरा आत्मविश्वास बहुत जल्द ही लोगों के दिलों तक पहुँच गया। उनकी शुरुआती फिल्मों ने यह दिखाया कि उनमें संवाद की सरलता, भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति और अपने किरदार के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण जैसी विशिष्ट खूबियाँ हैं।

समय के साथ धर्मेंद्र ने दिखा दिया कि वे सिर्फ एक रोमांटिक हीरो नहीं, बल्कि हर शैली में फिट बैठने वाले अभिनेता हैं। उन्होंने अभिनय के हर रंग को जीया—रोमांस की कोमलता, कॉमेडी की सहजता, एक्शन की तीव्रता और भावुक दृश्यों की गहराई। अनुपमा और अनपढ़ में उनकी रोमांटिक छवि दर्शकों का दिल चुरा लेती थी, तो मेरा गांव मेरा देश और शोले में उनका एक्शननुमा अंदाज़ उन्हें 'ही-मान' की उपाधि दिलाता था। यह उपाधि किसी फैशन के कारण नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक दृढ़ व्यक्तित्व का प्रमाण थी।

卐शोले卐 का वीरू भारतीय सिनेमा के इतिहास का वह चरित्र है, जो किसी परिचय का मोहताज नहीं। वीरू की मस्ती, दोस्ती, बेफिक्री और दिल की गहराई ने इस किरदार को अमर बना दिया। धर्मेंद्र कोई भूमिका निभाते नहीं थे, वे उसे जीते थे। यही कारण है कि वीरू आज भी दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान ला देता है। लेकिन धर्मेंद्र का जादू सिर्फ वीरू तक सीमित नहीं था।

चुपके चुपके में उनकी गंभीर-स्वभाव वाली कॉमेडी यह साबित करती है कि हास्य अभिनय हमेशा उछल-कूद या अतिरंजना से नहीं आता; वह शालीनता और समयबद्ध संवादों से भी पैदा हो सकता है। धर्मेंद्र इस बात का जीता-जागता उदाहरण थे।

उनके अभिनय का आधार हमेशा 'सच्चाई' रहा। वे अभिनय नहीं करते थे, वे सत्य को अभिव्यक्त करते थे। यह सत्य कभी प्रेम की कोमलता के रूप में जागता था, कभी संघर्ष की तल्ख़ी के रूप में। आज के समय में जब अभिनय तकनीक और बाहरी सजावट पर अधिक निर्भर होता जा रहा है, धर्मेंद्र हमें याद दिलाते हैं कि अभिनय का सबसे बड़ा केंद्र 'दिल' होता है। यही वह विशेषता है, जिसने उनकी फिल्मों को समय की सीमाओं से मुक्त कर दिया।

धर्मेंद्र की एक और महानता थी—उनकी जमीन से जुड़ाव। उन्होंने कभी खुद को महान या बड़ा साबित करने की कोशिश नहीं की। सैकड़ों फिल्मों की सफलता, लाखों प्रशंसक और दशकों की लोकप्रियता के बाद भी वे एक साधारण ग्रामीण की तरह बात करते थे।

उनकी विनम्रता किसी बनावटी विनम्रता का परिणाम नहीं थी; वह उनके स्वभाव का हिस्सा थी। यही कारण है कि वे उद्योग के भीतर और बाहर—दोनों जगह समान आदर के पात्र बने रहे।

धर्मेंद्र ने अपनी निजी और राजनीतिक जिंदगी में भी अपने मूल्यों को नहीं छोड़ा। वे वर्ष 2004 में लोकसभा के लिए चुने गए और अपने तरीके से जनता की सेवा की। हालाँकि वे राजनीति में गहराई से सक्रिय नहीं रहे, लेकिन यह साफ समझ आता है कि वे समाज के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को समझते थे। उनका चरित्र उतना ही सीधा और स्पष्ट था जितना उनका अभिनय।

उनकी जीवनशैली की सादगी ने भी लोगों को हमेशा प्रभावित किया। मुंबई की भीड़भाड़ से दूर उनका फार्महाउस, धरती पर काम करना, खेतों को सींचना, पशुओं के साथ समय बिताना—ये सब उनकी आत्मा को सुकून देते थे। यह उस अभिनेता की तस्वीर है जो चमकते पर्दे से परे, असली जिंदगी में प्रकृति की गोद में अपने आप को पूरा महसूस करता था। यह गुण किसी अभिनेता में शायद ही देखने मिलता हो।

उनका योगदान सिर्फ उनके समय तक सीमित नहीं। आज की पीढ़ी भी धर्मेंद्र की फिल्मों में वही ताजगी, वही मानवीय संवेदना और वही संवादशक्ति महसूस करती है, जो 40-50 साल पहले दर्शक महसूस करते थे। यह बहुत कम कलाकारों के हिस्से आता है कि उनकी फिल्मों की ताकत पीढ़ियों की सीमाएँ लांघ जाए। धर्मेंद्र यह विरासत अपने साथ लेकर नहीं गए; वे इसे समाज में छोड़ गए हैं।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो उनके चेहरे की वह सहज मुस्कान तुरंत आँखों के सामने आ जाती है। ऐसा लगता है जैसे वह अभी भी किसी दृश्य की तैयारी कर रहे हों, या किसी इंटरव्यू में अपनी प्रसिद्ध विनम्रता के साथ कह रहे हों—अरे, मैं कौन सा बड़ा कलाकार हूँ, बस अपनी कोशिश करता हूँ। उनकी यह बात ही उन्हें बड़ा बनाती थी।

धर्मेंद्र का जाना भारतीय सिनेमा के लिए सिर्फ एक कलाकार की विदाई नहीं; यह एक युग का अवसान है। वह युग जिसमें सादगी, भावनाएँ और मानवीयता अभिनय की रीढ़ हुआ करती थीं। वह दौर जब सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज, परिवार और रिश्तों का आईना होता था। धर्मेंद्र उस आईने की सबसे चमकदार किरण थे।

लेकिन हर महान कलाकार की तरह धर्मेंद्र भी यह सिद्ध करके गए हैं कि शरीर भले चला जाए, कला कभी नहीं जाती। उनकी आवाज़, उनकी हँसी, उनकी आँखों की चमक, उनकी फिल्मों के दृश्य—यह सब कहीं न कहीं हमारे भीतर जीते रहेंगे। वह इसलिए नहीं कि उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया, बल्कि इसलिए कि उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बनाई। सिनेमा की असली शक्ति यही है—जब दर्शक अभिनेता को सिर्फ अभिनेता न मानकर परिवार का हिस्सा मानने लगें।

आज, जब हम श्रद्धांजलि देते हुए यह पंक्ति याद करते हैं—अभी न जाओ छोड़ के—तो यह सिर्फ एक गीत की पंक्ति नहीं रह जाती। यह एक युग की पुकार जैसी लगती है। लेकिन महान कलाकार कभी सचमुच नहीं जाते। धर्मेंद्र भी नहीं गए। वे हमारे गीतों में हैं, संवादों में हैं, फिल्मों में हैं, और सबसे बढ़कर, हमारे दिलों में हैं।

भारतीय सिनेमा के उस 'ही-मान' को शत-शत नमन, जिसकी सादगी ने हमें इंसान होना सिखाया और जिसकी मुस्कान ने पीढ़ियों को जीवन की सुंदरता का एहसास कराया।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3720

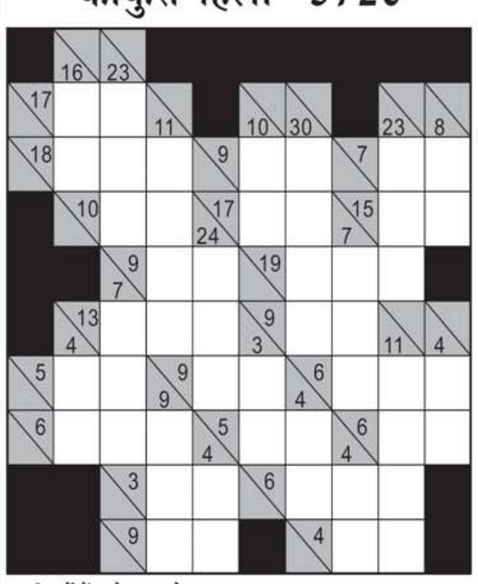

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1 2 3 4 5 (15); 7 8 9 (24)

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3719 का हल

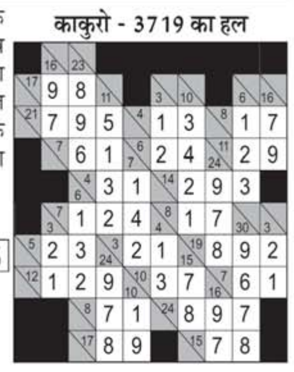

लॉफिंग जौन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3720

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3719

सूडोकु -3720

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3719 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3720

बाएँ से दाएँ

1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे

1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली - 3719 का हल

निक्की हत्याकांड : पुलिस ने 500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की

पति समेत 4 आरोपी, इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाने से था नाराज

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में विवाहित निक्की भाटी को जलाकर हत्या करने के सनसनीखेज मामले में कासना कोतवाली पुलिस ने अदालत में 500 पन्नों से अधिक की विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस ने इस मामले में निक्की के पति विपिन भाटी, जेठ रोहित भाटी, सास दया और ससुर सत्यवीर को आरोपी बनाया है। आरोप है कि चारों ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर हत्या को अंजाम दिया।

चार्जशीट के मुताबिक, आरोपी निक्की और उसकी बहन के इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाने से नाराज थे। परिवार के विरोध के बाद भी जब निक्की वीडियो बनाना नहीं मानी, तो ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे मारपीट कर

ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी।

अस्पताल रिपोर्ट, घटनास्थल निरीक्षण और डिजिटल साक्ष्य शामिल

पुलिस ने विवेचना में अस्पताल से मिले मेमो को भी शामिल किया है, जिसमें शुरू में जलने का कारण सिलेंडर फटना बताया गया था। हालांकि घटनास्थल के वैज्ञानिक निरीक्षण में जली हुई मिट्टी, कपड़े, थिनर की बोतल और लाइटर बरामद किए गए, जिनका एफएसएल परीक्षण कराया गया है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो और फोटो भी चार्जशीट का हिस्सा बनाए गए हैं।

सजा दिलाने को कोर्ट में मजबूती से रखेंगे पक्ष

बचाव पक्ष के अधिवक्ता उधम सिंह तोंगड़ और दिनेश कुमार कल्सन ने बताया कि पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। उनका कहना है कि आरोपियों द्वारा आत्महत्या की कहानी गढ़ी गई, लेकिन जांच में वह झूठी साबित हो गई। अब अदालत में आरोपियों को कठोर सजा दिलाने के लिए सभी तथ्य रखे जाएंगे।

अस्पताल में मौत के बाद दर्ज हुआ था केस

21 अगस्त को गंभीर रूप से जलने के बाद निक्की को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। निक्की की बहन कंचन भाटी की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर पति, जेठ, सास और ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस का दावा है कि जमा किए गए सबूत आरोपी पक्ष की थ्योरी को कमजोर साबित करते हैं। अब मामले में अदालत की अगली सुनवाई का इंतजार है।

नोएडा में टीचर ने सरकारी स्कूल के बच्चों उठवाया ईंट

बीएसए ने जांच ने दिए जांच के आदेश, बोले- रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के जुनपत गांव स्थित एक प्राथमिक विद्यालय से चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां छोटे बच्चों को पढ़ाई कराने के बजाय ईंटें उठाते और मजदूरी करते देखा गया। यह मामला शनिवार को गांव के एक युवक द्वारा बनाए गए वायरल वीडियो के बाद उजागर हुआ।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में छात्र सामान ढोते और अन्य मजदूरी जैसे कार्य करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो सामने आने के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में चपरासी तैनात होने के बावजूद बच्चों से सफाई, ईंटें ढोने और सामान उठाने का काम करवाया जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि बच्चों से ऐसे काम पहले भी कराए जाते रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह प्रथा न केवल बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित करती है बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर डालती है।

मामले पर बीएसए ने बताया कि फिलहाल उन्हें कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है, लेकिन वीडियो की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई है।

बीएसए ने कहा कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच की जाएगी और यदि कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

बीएसए ने स्पष्ट कहा, बच्चों के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जेवर में देवर ने भाभी के साथ किया दुष्कर्म

पति ने 3 तलाक देकर घर से भगाया, 7 ससुरालियों पर केस दर्ज

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में एक महिला ने अपने देवर पर दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि जब उसने इस घटना की जानकारी पति और ससुराल वालों को दी, तो पति ने न सिर्फ उसके साथ मारपीट की, बल्कि तीन तलाक देकर उसे घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस की प्रारंभिक अनदेखी के बाद जब उसने पुलिस कमिश्नर को गुहार लगाई, तब जाकर सोमवार दोपहर पति समेत सात ससुरालियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि नवंबर 2023 में उसकी और उसकी सगी बहन की शादी गुलावठी निवासी दो सगे भाइयों से हुई थी। उनके पिता ने शादी में करीब 80 लाख रुपये खर्च किए थे। आरोप है कि शादी के अगले ही दिन से उसका देवर उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा था, लेकिन वह पारिवारिक इज्जत के चलते चुप रही।

पीड़िता के अनुसार 23 जुलाई 2024 को उसका पति दवा लेने बाहर गया हुआ था। उस समय वह कमरे में

अकेली सो रही थी। तभी देवर ने चाकू के बल पर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद जब उसने यह बात पति और अन्य ससुरालियों को बताई, तो उन्होंने दोनों बहनों के गहने और लाखों रुपये छीन लिए, उन्हें पीटा और पति ने तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया।

पीड़िता का कहना है कि अब उसका पति उसे लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा है, जिससे वह और उसकी बहन भय में हैं। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति राशिद, देवर शादाब, सास नफीसा, जेठ साजिद, माजिद और ननद कल्लो व सना के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय में छाया 'हेलमेट मैन ऑफ इंडिया' का जादू

बच्चों को बांटे गए रंग-बिरंगे 'संजीवनी बूटी' हेलमेट

ठाणे/नोएडा। ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में सोमवार को उस समय अनोखा और हृदयस्पर्शी नजारा देखने को मिला जब 'हेलमेट मैन ऑफ इंडिया' राघवेंद्र कुमार खुद बच्चों की सुरक्षा के लिए हजारों रंग-बिरंगे हेलमेट लेकर पहुंचे। हेलमेट बांटने से पहले हर बच्चे के सिर का सटीक माप लिया गया ताकि उन्हें परफेक्ट फिटिंग वाला हेलमेट मिल सके। बच्चों की चहक, हंसी और उत्साह ने पूरे माहौल को खुशी से भर दिया।

जिला कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल खुद अपने कार्यालय से बाहर आए और बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता देखकर अभिभूत हो गए। उन्होंने अपनी 4 साल की बेटी के लिए भी एक आकर्षक हेलमेट चुना और हेलमेट मैन का दिल से आभार व्यक्त किया। कार्यालय में शिकायत लेकर आए नागरिक भी बच्चों को हेलमेट पहनते देख भावुक हो उठे। कई अभिभावकों ने तुरंत अपने बच्चों को स्कूल से बुलवाया ताकि वे भी इस 'संजीवनी बूटी' हेलमेट को प्राप्त कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट से 4 साल तक के बच्चों के लिए हेलमेट अनिवार्य कराने वाले राघवेंद्र कुमार ने कहा, कानून बनाना आसान था, असली चुनौती तो हर घर तक सुरक्षा की आदत पहुंचाना है।

अब वे खुद महाराष्ट्र के हर जिले में जा रहे हैं। ठाणे जिले में प्रशासन की अनुमति से उनकी टीम स्कूल-स्कूल जाकर बच्चों की हेड मैपिंग करेगी और निशुल्क हेलमेट वितरित करेगी। पहले चरण में पुलिसकर्मियों, बस चालकों और ऑटो चालकों के बच्चों को हेलमेट दिए जाएंगे। राघवेंद्र कुमार ने इन्हें महाराष्ट्र का योद्धा बताते हुए कहा, ये लोग दिन-रात सड़कों पर ड्यूटी करते हैं, लोगों की रक्षा करते हैं। इनके बच्चों को सबसे पहले सुरक्षित करना हमारा फर्ज है।

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सड़क हादसों में मरने वालों में 80 प्रतिशत दोपहिया चालक, साइकिल सवार और पैदल यात्री होते हैं, जिनमें से अधिकांश की जान सिर्फ हेलमेट न पहनने की वजह से जाती है।

उनका लक्ष्य है कि बचपन से ही हेलमेट की आदत डाल दी जाए ताकि बड़ा होकर ये बच्चे खुद-ब-खुद सुरक्षित रहें।

हाल ही में कौन बनेगा करोड़पति में भी राघवेंद्र कुमार की मौजूदगी और उनके कार्य से अमिताभ बच्चन बेहद प्रभावित हुए थे। श्री बच्चन ने उन्हें हेलमेट भेंट किया और भावुक होकर कहा था कि हेलमेट मैन को मित्र बनाना उनका सौभाग्य है। नवरात्रि के दौरान अमिताभ बच्चन ने अपने प्रशंसकों को हेलमेट बांटे और ट्वीट किया कि यह प्रेरणा उन्हें हेलमेट मैन से ही मिली।

12 साल पहले एक सड़क हादसे में अपने सबसे अच्छे दोस्त को खोने के बाद राघवेंद्र कुमार ने प्रण लिया था कि हेलमेट न होने की वजह से कोई और जिंदगी नहीं जाएगी।

तब से अब तक वे 22 राज्यों में 75,000 से ज्यादा हेलमेट निशुल्क बांट चुके हैं और हजारों जानें बचा चुके हैं। अब भारतीय सेना भी उनके इस मिशन में कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी है।

बच्चों की चमकती आंखें और अभिभावकों के खुशी के आंसू बता रहे थे ङ्क ठाणे में आज सचमुच एक नई सुरक्षा क्रांति की शुरुआत हुई है।

हाईवे से गिरी ब्रेजा कार, डॉक्टर की मौत

पलटी खाते हुए 20 मीटर दूर मंदिर से टकराई, एयरबैग खुले, लेकिन जान नहीं बची

गौतमबुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में डॉक्टर की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह ड्यूटी करके ब्रेजा कार से घर लौट रहे थे, तभी कार का संतुलन बिगड़ गया। कार हाईवे से नीचे गिर गई। एयरबैग भी खुल गए, लेकिन डॉक्टर की जान नहीं बची। कार की स्पीड इतनी तेज थी कि नीचे गिरने के बाद 2-3 बार पलटी खाई।

20 फीट दूर मंदिर से टकराकर कार उलटी हो गई। धमाके की आवाज सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।तुरंत कार के अंदर फंसे डॉक्टर को निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी है।

घटना सोमवार सुबह बादलपुर थाना क्षेत्र में एमएच-91 पर हुई। हादसे में कार बुरी तरह डैमेज हो गई है।

पुलिस के अनुसार, डॉ. अमित कुमार की पत्नी पूनम देवी हाउसवाइफ हैं। उनकी 2 साल की एक बेटी है, जिसका नाम गुड़िया है।

अचानक कार का संतुलन बिगड़ा, हाईवे से नीचे गिरी

बादलपुर थाना प्रभारी अमित भड़ाना के अनुसार, अमित प्रसाद (42) दिल्ली के करावल नगर के रहने वाले थे। घर में मां मिथिलेश, पिता

भगवत प्रसाद, पत्नी, बेटी और छोटा भाई पुनीत कुमार हैं। अमित बुलंदशहर के खुर्जा स्थित PLRD अस्पताल में डॉक्टर थे।

हर शनिवार को ड्यूटी खत्म करने के बाद शाम को खुर्जा से दिल्ली अपने घर आते थे। सोमवार की सुबह वह ब्रेजा कार से खुर्जा जा रहे थे। सुबह 7:30 बजे जैसे ही उनकी कार बादलपुर थाना क्षेत्र के धूम मानिकपुर बाइपास पर पहुंची, अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया। कार पलटते हुए हाईवे से गिरकर मंदिर की दीवार से जा टकराई।

शीशा तोड़कर डॉक्टर को बाहर निकाला

धमाके की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। देखा तो डॉक्टर कार के अंदर फंसा हुआ था। फौरन पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कार का शीशा तोड़कर डॉक्टर को बाहर निकाला। उन्हें अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रही थी। तब तक मौके पर उनकी मौत हो गई।

कार की रफ्तार काफी तेज थी। आशंका है कि कार चालक को नींद की झपकी आई होगी। जिसके कारण कार बेकाबू होकर पलट गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्य में रुचि नहीं लेने वाले 95 बीएलओ को मिली प्रतिकूल प्रविष्टि

नोएडा। निर्वाचक नामावली विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में बीएलओ बने परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। एफआईआर दर्ज कराने के साथ कार्य में लापरवाही बरतने पर 95 शिक्षक-शिक्षिकाओं को बीएसए ने प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान की है।

चुनाव आयोग के निर्देश पर प्रदेश में मतदाता सूची को दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है। जिले के परिषदीय स्कूलों में पढ़ाने वाले 1200 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएं इस कार्य में बतौर बीएलओ जुटे हुए हैं।

यह कार्य चार दिसंबर तक पूरा करना है। इस दौरान बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर फार्म वितरण कर रहे हैं और उन्हें भरवाकर ऑनलाइन अपलोड करा रहे हैं।दो दिन पहले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार को निर्वाचन कार्यालय से मिली प्रगति रिपोर्ट के आधार पर पता चला कि 95 बीएलओ इस कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं।

इन बीएलओ ने 21 नवंबर तक महज पांच प्रतिशत प्रपत्रों को ही ऑनलाइन अपलोड कराया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी के सख्त निर्देश के बावजूद जो 95 बीएलओ कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं, उन्हें प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान की गई है।

साथ ही आने वाले दिनों में कार्य में रुचि नहीं लेने पर विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

पशु क्रूरता के मामलों का ऑडिट कराने की मांग

ग्रेटर नोएडा। पशु प्रेमियों ने लावारिस पशुओं के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के हाल ही में आए आदेश पर रद्द करने और जानवरों के लिए कड़े कानून बनाए जाने सहित कई मांगें की हैं।

पशु क्रूरता मामलों का ऑडिट करने और नीति निर्माण में सामाजिक संस्थाओं को शामिल करने के मुद्दा भी उठाया।

सोमवार को ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में पशु प्रेमी संक्षय बब्बर और जसमीत कौर ने कहा कि कुछ सालों में पशुओं पर एसिड हमला, उत्पीड़न, हिट एंड रन और जहर देकर मारने जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

साथ ही आरोप लगाया कि पशु क्रुरता के मामले में पुलिस आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं करती है। लावारिस कुत्तों के प्रति जघन्य अपराधों की गंभीरता के बावजूद कई शहरों में रिपोर्ट दर्ज नहीं की जाती।

सेक्टर-151 में काउंटी ग्रुप ने 473 करोड़ में खरीदा भूखंड

नोएडा। रियल एस्टेट कंपनी काउंटी ग्रुप ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के पास सेक्टर-151 में 473 करोड़ रुपये की जमीन नीलामी के जरिए नोएडा प्राधिकरण से खरीदी है। अब कंपनी यहां पर लक्जरी परियोजना लेकर आएगी। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि यह जमीन नोएडा एक्सप्रेसवे और आगामी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के करीब सेक्टर 151 में स्थित है। इसका अधिग्रहण राज्य सरकार की नीलामी प्रक्रिया के तहत किया गया है।

शिक्षकों के मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगा डीएम को सौंपा ज्ञापन

नोएडा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों पर बीएलओ बने शिक्षकों के मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिक्षकों की आपत्ति दर्ज कराई। साथ ही इसकी निंदा की। संघ के मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी के निर्देशन में जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा और जिला मंत्र गजन भाटी ने ज्ञापन में कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण के अग्रदूत होते हैं। हमारा कर्तव्य बच्चों को शिक्षण कार्य कर उनका उज्जवल भविष्य को संवारना है। अनेक शिक्षक साथी बीएलओ ड्यूटी में लगे हुए हैं, जिसके कारण न केवल उन पर अनावश्यक मानसिक दबाव बढ़ रहा है बल्कि कुछ शिक्षकों पर सेवा समाप्ति, प्रतिकूल प्रविष्टि तथा एफआईआर जैसी कठोर कार्रवाई की जा रही है।संघ इसकी निंदा करता है। इससे शिक्षक अपमानित महसूस कर रहे हैं। 28 नवंबर से परिषदीय विद्यालयों में परीक्षाएं प्रारंभ होने जा रही हैं, लेकिन कोर्स अभी पूर्ण नहीं हो पाया है क्योंकि शिक्षक अपनी मूल जिम्मेदारी विद्यार्थियों की शिक्षा से दूर कर दिए गए हैं। इसलिए निवेदन है कि शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से तत्काल मुक्त किया जाए।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में युवती से मारपीट

जेवर। ग्रेटर नोएडा में रबूपुरा कोतवाली एरिया के गांव सुल्तानपुर में गाली गलौच का विरोध करने पर 3 आरोपियों ने एक युवती के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल युवती को जेवर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने 3 आरोपियों पर सोमवार को केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, गांव सुल्तानपुर माजरा फलैदा निवासी आजाद का आरोप है कि रविवार रात को गांव के ही बबी, अफसर और रविन ने उनकी बेटी के साथ घर के बाहर साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। लोगों को मौके पर आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना में घायल पीड़िता को जेवर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली प्रभारी सुजीत उपाध्याय का कहना है कि पीड़ित पक्ष की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा

ग्रेटर नोएडा में मिला बांग्लादेशी छात्र का शव

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में रविवार को एक बांग्लादेशी छात्र का शव किराए के कमरे में फंदे से लटकता मिला। बीटा-2 कोतवाली क्षेत्र में मकान मालिक की सूचना पर पुलिस जांच करने पहुंचीं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान सहरियार के रूप में हुई है। मकान मालिक ने पुलिस को बताया- सहरियार 16 नवंबर को बिहार की रहने वाली रूपा नाम की महिला के साथ कमरे पर आया था। दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताते हुए आठ हजार रुपये किराए पर कमरा लिया था। 17 नवंबर को मकान में शिफ्ट हो गए थे। 21 नवंबर को महिला कमरे से कहीं चली गई थी। उसी दिन शाम से सहरियार का मोबाइल फोन भी लगातार बंद आ रहा था। रविवार शाम जब खिड़की से अंदर झांककर देखा, तो युवक पंखे से रस्सी के सहारे लटका हुआ था। पुलिस ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मौत के वजह का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

सोसाइटी की लिफ्ट में एक घंटे तक फंसा रहा बच्चा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित आम्रपाली गोल्फ होम्स एवं किंग्सवुड सोसाइटी में रविवार देर रात को 12 वर्ष से बच्चा लिफ्ट में फंस गया। करीब एक घंटे बाद बच्चे को बाहर निकल गया। लोगों का आरोप है कि सुरक्षाकर्मी गायब रहते हैं। सोसाइटी के जे-1 टावर के फ्लैट नंबर 1902 में राजकुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। बच्चों की मां हरमनप्रीत ने बताया कि वह मंगलवार रात को पास की ही सोसाइटी में उनके दूसरे फ्लैट में परिजन गई थी। रात करीब 12 बजेउन्होंने अपने बच्चों को सोसाइटी गेट से घर जाने के लिए भेजा। बच्चा टावर के ग्राउंड फ्लोर से लिफ्ट में ऊपर जाने के लिए सवार हुआ ।चौथी मंजिल पर जाकर अचानक लिफ्ट झटका लेकर रुक गई। काफी देर तक उनके बच्चों द्वारा लिफ्ट का अलार्म बजाया गया, लेकिन कोई मदद के लिए नहीं आया। करीब 25 से 30 मिनट बाद बच्चों के चिल्लाने की आवाज फ्लोर पर मौजूद लोगों ने सुनी और उन्होंने बच्चों को परिजनों को इस बारे में सूचित किया। तब जाकर उन्होंने मेंटेनेंस टीम को इस बात की सूचना दी गई। इस दौरान करीब बच्चा एक घंटे तक लिफ्ट में फंसा रहा और चिल्लाता रहा।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा उपकरण परखे

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान की तैयारी अंतिम चरण में है। सोमवार को नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बकास) की टीम ने सुरक्षा उपकरणों को परखा। टीम मंगलवार को भी सुरक्षा उपकरणों पर रिपोर्ट तैयार करेगी। यदि यह सुरक्षा जांच बिना किसी समस्या के पूरी हो जाती है, तो इसी महीने के अंत तक एरोड्रम लाइसेंस मिलने की संभावना है, जिससे उड़ान का रास्ता साफ हो जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि बकास की समिति दो दिनों तक एयरपोर्ट पर सुरक्षा उपकरणों की जांच करेगी। टीम ने पहले दिन स्क्रीनिंग सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे, प्रवेश-नियंत्रण प्वाइंट और बाहरी सुरक्षा घेरा को परखा।इसके साथ ही टीम ने सुरक्षा कर्मियों की मुस्तैदी व तैयारियों को भी परखा, जो यात्रियों और कार्गो की सुरक्षा करेंगे। मंगलवार को भी यह निरीक्षण चलेगा। इसके बाद समिति अपनी रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महा निदेशालय (डीजीसीए) को सौंपेगी। दावा है कि इसी रिपोर्ट के आधार पर उड़ान के लिए डीजीसीए एरोड्रम लाइसेंस जारी करेगा। ऐसे में इस जांच को एयरपोर्ट से व्यावसायिक विमानों की उड़न मंजूरी के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

युवतियां सुरक्षाकर्मियों से भिड़ीं

नोएडा। सेक्टर-113 थानाक्षेत्र स्थित केप टाउन सोसाइटी में कार को उल्टी दिशा से बाहर निकालने को लेकर दो युवतियों समेत तीन लोगों ने सुरक्षा कर्मियों के साथ अभद्रता और बदसलूकी की। घटना का दो वीडियो सोशल मीडिया के विविध प्लेटफार्म पर वायरल हुआ है। पुलिस ने कार को सीज कर दिया है और आरोपियों से पूछताछ कर रही है। एसीपी ट्विंकल जैन ने बताया कि सोमवार शाम को सोसाइटी में रहने वाली दो युवतियों और एक युवक ने कार को उल्टी दिशा से गेट के बाहर निकालने का प्रयास किया। वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने जब इसका विरोध किया तो तीनों उनसे उलझ गए।शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद घटना की जानकारी स्थानीय 113 थाने की पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस युवतियों समेत तीनों को थाने ले आई। सोसाइटी में रहने वाले कई लोगों का दावा है की युवती समेत तीनों ने घटना के समय शराब पी रखी थी। इसकी पुष्टि के लिए पुलिस तीनों का मेडिकल करा रही है। घटना का जो दोनों वीडियो वायरल हुआ है।

वृंदा करात का केस वापसी पर विरोध

ग्रेटर नोएडा। माकपा नेत्री और पूर्व राज्यसभा सांसद वृंदा करात सोमवार को सूरजपुर कोर्ट पहुंची और अखलाक के परिवार के वकील से लंबी चर्चा की। उन्होंने बिसाहड़ा गांव के चर्चित अखलाक हत्याकांड मामले में राज्य सरकार द्वारा आरोपियों से मुकदमा वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करने का विरोध जताया। जिला न्यायालय परिसर में माकपा नेत्री वृंदा करात करीब दो घंटे रहीं और अखलाक के वकील से सरकार द्वारा केस वापस लेने के प्रार्थनापत्र के संबंध में बातचीत की। उन्होंने सांप्रदायिक आधार पर न्यायिक मामले को देखने का आरोप लगाया और राज्य सरकार की आलोचना की। वृंदा करात ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार हत्या जैसे गंभीर मामलों में पीड़ितों को न्याय से वंचित कर रही ।यह संभवत: देश में पहला मामला है, जिसमें सबूत होने के बावजूद मामले को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि अखलाक हत्याकांड में वापस लेने के मामले में 12 दिसंबर को सुनवाई होगी।

परीक्षा देकर लौट रही युवती की जान गई

ग्रेटर नोएडा। नोएडा से एसएससी सीएचएसएल की परीक्षा देकर रबूपुरा अपने घर लौट रही एक युवती की शनिवार को सिरसा गोल चक्कर के समीप सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। इस दुर्घटना में युवती के पिता घायल हुए हैं। पुलिस ने टक्कर मारने वाले आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कासना कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रबूपुरा थाना क्षेत्र के कलूपुरा गांव में मुकेश कुमार परिवार के साथ रहते हैं। मुकेश कुमार ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह अपनी बेटी को नोएडा सेक्टर 150 स्थित एक सेंटर पर एसएससी की परीक्षा दिलाने के लिए लेकर गए थे ।दोपहर को वापस लौटते समय सिरसा गोल चक्कर पर एक बेकाबू ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मुकेश घायल हुए, जबकि उनकी 25 वर्षीय बेटी अर्चना शर्मा की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। इस मामले में पीड़ित मुकेश ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

एसआईआर-2026 विशेष पुनरीक्षण को मिली रफ़्तार

जिलाधिकारी ने मतदान केन्द्रों पर विशेष कैंप लगाने के दिए निर्देश

पीलीभीत। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 का कार्य जिले में जारी है।

इस बीच गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की धीमी गति पर चिंता जताते हुए जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों और नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से विशेष कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुसार जिन क्षेत्रों की नगर पंचायतें और विकासखण्ड विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं, वहां मतदाताओं की सुविधा के लिए आज से विधानसभा-वार मतदान केन्द्रों पर कैंप लगाकर गणना प्रपत्रों का वितरण और संग्रहण किया जाएगा, ताकि डिजिटाइजेशन समय पर पूर्ण हो सके।

पीलीभीत विधानसभा के कैंप स्थल

कम्पोजिट विद्यालय हररायपुर, जू0हा0 स्कूल उदयपुर माफी, कम्पोजिट विद्यालय फरदिया, कैंचूटांडा, धुधरी, माधौपुर, चन्दोई, पकड़िया नौगवां, अशरफखां भूरे खां, आयुर्वेदिक कॉलेज, न्यू चुंगी माल गोदाम, रामा इंटर कॉलेज सहित कुल 40 से अधिक स्थानों पर कैंप लगाए जाएंगे।

बरखेड़ा विधानसभा के कैंप स्थल

बिथरा, पिपरिया भजा, विठौरा कलां, न्यूरिया, खमरिया पंडरी, शिवनगर, माला, गजरौला कलां, इस्लामिया स्कूल न्यूरिया एवं जनता इंटर कॉलेज बरखेड़ा कलां समेत कई स्थान शामिल हैं।

पूरनपुर विधानसभा के कैंप स्थल

पिपरिया संतोष, कलीनगर, जमुनिया, मजरा मथना, लोधीपुर, आनन्दपुर, रूद्रपुर, सितमरिया, दिलावरपुर, सबलपुर खास, इन्द्रानगर, हबीबगंज, गुलडिया भूपसिंह, सुल्तानपुर, पिपरिया दुलई, ढका, शेरपुर कला, एपीआईसी, तहसील कार्यालय एवं पं. राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज सहित दर्जनों कैंप लगाए जाएंगे।

बीसलपुर विधानसभा के कैंप स्थल

रिछोला सवल, पहाड़गंज, ईंटगांव, ग्यासपुर, बिलसंडा, मीरपुर वाहनपुर, दियोरिया कलां, बिलसपुर, दुर्गा प्रसाद मोहल्ला, गन्ना सहकारी समिति, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीसलपुर, गांधी स्मारक इंटर कॉलेज, रसयाखानपुर तथा दुबे नगर के विद्यालयों में कैंप आयोजित होंगे।

टिकरी में सड़क हादसे में युवक की मौत, ट्रैक्टर चालक फरार

- बाइक के पास खड़े युवक को ट्रॉली ने मारी टक्कर
- पिता की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बीसलपुर। टिकरी इंडेन गैस एजेंसी के पास 7 नवंबर की रात हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई थी। अब पीड़ित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव पतरासा कुंवरपुर निवासी चिंताराम ने तहरीर में बताया कि उनका बेटा यशपाल वर्मा अपने तहेरे भाई रामसरन के साथ कैंचुआ से घर लौट रहा था। टिकरी गैस एजेंसी के पास रामसरन पेशाब करने के लिए बाइक सड़क के किनारे खड़ी कर उतरे थे। इसी दौरान यशपाल बाइक के पास खड़ा था। तभी पीलीभीत की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रैक्टर नंबर यूपी-27 बीआर-6196 के चालक ने विपरीत दिशा में जाकर बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में यशपाल गंभीर रूप से घायल हुआ और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन संख्या के आधार पर अज्ञात चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा दुर्घटना की जांच की जा रही है। परिजनों में घटना को लेकर गहरा शोक है।

शार्ट न्यूज

रामपुरा रना में पांच हरे-भरे गूलर के पेड़ काटे गए

बीसलपुर। क्षेत्र के ग्राम रामपुरा रना में पर्यावरण के लिए चिंता बढ़ाने वाली घटना सामने आई है। यहां बीती रात अज्ञात लोगों द्वारा पांच हरे-भरे गूलर के पेड़ों को काटकर उनकी जड़ें तक उखाड़ दी गईं। ग्रामीणों के अनुसार पेड़ों का यह अवैध कटान लंबे समय से वन विभाग और तहसील विभाग की मिलीभगत से हो रहा है, जिसके चलते ठेकेदार मनमाने ढंग से हरित आवरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए हर वर्ष लाखों रुपये के पौधारोपण अभियान चलाती है, वहीं दूसरी ओर बिना परमिट के पेड़ों की कटाई निरंतर जारी है, जिससे शासन की मंशा पर पानी फिरता दिखाई दे रहा है। पेड़ों का यह कटान क्षेत्र में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है और लोग इसमें विभागीय लापरवाही की बात श्श्चद्दड्ढ4 कर रहे हैं। वहीं इस मामले में वन विभाग के वनरक्षक वसीम और डिप्टी रेंजर सुरेश कुमार वर्मा का कहना है कि काटे गए पाँचों गूलर के पेड़ ग्राम समाज की जमीन पर खड़े थे और यह मामला तहसील विभाग के अधिकार क्षेत्र से संबंधित है। विभागीय टीम का कहना है कि मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है। पेड़ों की कटाई से ग्रामीणों में नाराज़गी है और वे जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में कुंडा कोतवाली क्षेत्र के पिंगरी गांव निवासी 25 वर्षीय राहुल सरोज की सोमवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब राहुल अपनी बाइक से ससुराल जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, राहुल महेशगंज थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर सोहाग स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे। देर शाम जब वह कुंडा-जेठवारा मार्ग पर स्थित अंजनी पुल के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहुल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडा पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद राहुल को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान बबलू यादव और पूर्व प्रधान रिंशू सिंह परिजनों के साथ अस्पताल पहुंचे। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुटी हुई है।

नगला परसाद में तालाब पर अवैध कब्जा

मैनपुरी। मैनपुरी के एलाऊ क्षेत्र के नगला परसाद गांव में सार्वजनिक तालाबों पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। गांव के दो गाटा संख्या- 698 (रकबा 0.172 हेक्टेयर) और 699 (रकबा 0.120 हेक्टेयर) जो सार्वजनिक तालाब के रूप में दर्ज हैं। उन पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है। ग्रामीणों के अनुसार, इन तालाबों में बरसात का पानी और गांव की नालियों का निकास होता था। अतिक्रमणकारियों ने इस भूमि पर कब्जा कर पानी के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर दिया है, जिससे गांव में बड़े पैमाने पर जलभराव का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कब्जे की शुरुआत होते ही उन्होंने संबंधित लोगों को रोकने का प्रयास किया और तत्काल लेखपाल व स्थानीय प्रशासन से शिकायत भी की। हालांकि, कब्जा करने वाले नहीं माने और अतिक्रमण जारी रहा। तालाब के रास्ते बंद होने से बारिश के दौरान पानी भरने से बीमारियों का खतरा बढ़ने और पूरे गांव के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ग्रामवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मौके पर राजस्व टीम भेजकर जांच कराई जाए और तालाबों पर हुए अतिक्रमण को तत्काल हटवाया जाए।

कुशीनगर में मायके में विवाहिता की मौत

कुशीनगर। कुशीनगर में मायके में रह रही महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्राम पंचायत सिधावे टोला भड़कुड़वा निवासी मिश्री पासवान की पुत्री ममता की सोमवार दोपहर अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। परिजनों के अनुसार, ममता को तेज पेट दर्द की शिकायत हुई। हालत गंभीर होने पर उसे तत्काल रामकोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मामला रामकोला थाना क्षेत्र के भड़कुड़वा गांव का है। महिला की मौत संदिग्ध प्रतीत होने के कारण अस्पताल प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। रामकोला पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, ममता की शादी लगभग 14 वर्ष पूर्व तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र में हुई थी। पारिवारिक कलह के कारण वह पिछले चार-पांच महीनों से अपने मायके में रह रही थी। प्रभारी थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

लखनऊ में सड़क पर कूड़ा फेंकने जुर्माना

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने शहर में चलाए गए स्वच्छता अभियान के तहत अतिक्रमण और सार्वजनिक स्थान पर गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना लगाया है। मंगलवार को जोन 2, 3 और 5 में निरीक्षण अभियान चलाकर कुल 45,100 रुपए का जुर्माना वसूला गया। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक जब्त की गई। जोन 2 में अवैध अतिक्रमण और गंदगी फैलाने पर 10,000 का जुर्माना लगाया गया। जोन-3 में विवेकानंद पुल के नीचे अभियान चलाकर अतिक्रमण, कूड़ा फैलाने और प्लास्टिक प्रयोग पर 22,200 का जुर्माना वसूला गया, जिसमें 18.4 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त हुई। जोन 5 में 25 चालान कर कुल 12,900 का जुर्माना वसूला गया, जिसमें प्लास्टिक के उपयोग पर भी सख्त कार्रवाई हुई। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सभी नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने की अपील की है। उन्होंने साफ किया कि अतिक्रमण, खुले में कचरा फेंकने और प्लास्टिक उपयोग पर किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा।

पुलिस की बड़ी कार्रवाही, 137 वाहनों के चालान

ललितपुर। यातायात पुलिस के द्वारा नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिस में आम लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। बिना हेलमेट, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, दोषपूर्ण नंबर प्लेट/बिना नंबर प्लेट वाहनों के खिलाफ प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही की गई। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा विशेष चेकिंग अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों/ तिराहों पर यातायात पुलिस द्वारा नियम विरूद्ध वाहन जैसे बिना हेलमेट, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, दोषपूर्ण नंबर प्लेट/बिना नंबर प्लेट, काली फिल्म, हूटर, बत्ती लगाना, वाहन पर शासकीय तथा जाति सूचक शब्द व स्टंटबाजी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त प्रवर्तन की कार्यवाही करते हुए 137 वाहनों का चालान किया गया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर स्लीपर बस पलटी, 20 घायल

मथुरा। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर रविवार देर रात तेज रफ्तार एसी स्लीपर बस पलट गई। हादसे में 20 यात्री घायल हुए। इनमें 3 गंभीर है। उन्हें आगरा रेफर किया गया है। बस दिल्ली से रायबरेली जा रही थी। 35 यात्री सवार थे। हादसा रात में 1.15 बजे बलदेव थाना इलाके में हुआ। हादसे के वक्त बस की स्पीड इतनी तेज थी कि पलटने के बाद भी कई मीटर तक घिसटती चली गई। करीब 25 मिनट बाद पुलिस पहुंची तो ज्यादातर यात्री अंदर फंसे थे। चीख-पुकार मची थी। कई यात्रियों के सिर, हाथ-पैर से खून निकल रहा था।

किसान सहकारी चीनी मिल बीसलपुर का नवीन पेराई सत्र शुरू, जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

पीलीभीत। किसान सहकारी चीनी मिल बीसलपुर में नए पेराई सत्र का शुभारंभ शनिवार को किया गया। उद्घाटन पूर्व मंत्री अगेयश रामसरन वर्मा और जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

दोनों विशिष्ट अतिथि चीनी मिल पहुंचे, जहां वैदिक विधि-विधान से हवन-पूजन कर पेराई सत्र की शुरुआत की गई। इसके बाद मिल के पटले पर गन्ना डालकर एवं बटन दबाकर औपचारिक रूप से पेराई कार्य शुरू किया गया।

उद्घाटन के दौरान अधिकारियों ने कांटा स्थल पर गन्ना लेकर आए किसान व बैलगाड़ी चालक का स्वागत करते हुए फूलमाला पहनाकर गन्ना पर्ची का तौलन कराया।

इस अवसर पर गन्ना विकास समिति के डायरेक्टर नरेश चन्द्र शर्मा, चीनी मिल के जीएम, कर्मचारी, अधिकारी और अधिक संख्या में किसान मौजूद रहे।

एसपी ने छात्र छात्राओं को साइबर क्राइम के प्रति किया जागरूक

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक द्वारा भगवान आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन ललितपुर में पुलिस की पाठशाला का आयोजन कर छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, पत्रकार बंधुओं आदि को साइबर क्राइम, यातायात व मिशन शक्ति आदि के विषय में किया गया जागरुक । यातायात जागरुकता अभियान द्वारा छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, पत्रकार बंधुओं आदि को यातायात नियमों के बारे में निम्न जानकारी देकर किया गया जागरुक, दो पहिया वाहन चालक हेलमेट व चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट अवश्य लगायें, जिससे की किसी दुर्घटना के घटित होने पर वह सुरक्षित रह सके । वाहनों पर निर्धारित

संख्या में ही सवारियों को बैठाएं तथा नियंत्रित गति से वाहन चलाएं । शराब इत्यादि का नशा करके वाहन न चलाये। सभी प्रकार के वाहनों पर निर्धारित मानक के अनुरुप नम्बर प्लेट लगाएं । ब्लैक फिल्म लगाकर वाहन न चलाये। वाहन चलाते समय स्टंटबाजी न करें। अपने वाहन में हूटर/मोडिफाइड साईलेन्सर/मानक के विपरीत तीव्र ध्वनि वाले होर्न का प्रयोग न करें। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों से अपील की गई कि सड़क दुर्घटना होने पर घायल को तत्काल उचित उपचार हेतु अस्पताल भेजने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें, जिससे कि गोल्डन ऑवर में घायल को उपचार दे कर उसके बहुमूल्य जीवन को सुरक्षित किया जा सके । साइबर क्राइम जागरुकता कार्यक्रम के दौरान साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फिसिंग, स्लेबरी, आईडेन्टिटी थेफ्ट आदि के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई। डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा प्लेस्टोर/आईओएस से जेनुइन ऐप ही डाएनलोड करें, इनके अतिरिक्त किसी अन्य प्लेटफॉर्म से कोई ऐप डाएनलोडन करें ।

एससी-एसटी एक्ट के मामले में आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर । गिरार पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एंव क्षेत्राधिकारी मड़ावरा कृष्ण कुमार मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गिरार पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0- 80/2025, धारा-121(1)/329(2)/115(2)/352/308(5) बीएनएस व 3(1)द.ध., 3(2)5 a SC/ST Act तथा मु0अ0स0- 81/2025, धारा-191(2)/329(2)/324(3)/351(3) बीएनएस में वांछित अभियुक्त- देवेन्द्र कौशिक पुत्र स्व0 माधवस्वरुप उर्फ साधूराम उम्र करीब 34 वर्ष नि0 ग्राम दिरावटी थाना कोंच जनपद जालौन हाल निवास ग्राम बिरधा थाना कोतवाली ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है । अभियुक्त देवेन्द्र कौशिक उपरोक्त कोई मान्यता प्राप्त पत्रकार नही है बल्कि इनका एक रैकेट है जो जनपद में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में व्यापारियों व अन्य लोगों से सोशल मीडिया (फेसबुक, यूट्यूब) पर वीडियो अपलोड करने के नाम पर अवैध धन की बसूली की जाती है ।

ननद को नशीली चाय पिलाकर 50 लाख के जेवर चुराए

बहराइच। बहराइच में दवा व्यापारी के घर आई उनकी सरहज ने 50 लाख की चोरी कर ली। अलमारी में जेवर देखकर सरहज के मन में लालच आ गया। उसे जेवर पहनने का भी बहुत शौक था। उसने अपनी ननद की चाय में नशीली दवा मिलाकर बेहोश कर दिया। फिर अलमारी से जेवर निकाल लिए। तबीयत खराब होने पर व्यापारी पत्नी को लेकर दवा दिलाने चले गए। इसी दौरान सरहज जेवर लेकर भाग गई। लौटने पर दवा व्यापारी को घर में चोरी होने का पता चला। इसके बाद उन्होंने सरहज के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने सरहज को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। बताया- अलमारी में जेवर देखकर नीयत खराब हो गई थी। पुलिस ने चोरी का माल बरामद कर लिया है। मामला दरगाह थाना क्षेत्र का है। दवा व्यापारी मनोज बंसल (50) परिवार के साथ ग्रीन सिटी में रहते हैं। मनोज ने बताया कि 18 नवंबर को उनकी सरहज शिवानी (45), ससुर रविंद्र खेतान और साले का 3 साल का बेटा घर आए थे।

थाना एंटी हयूमेन ट्रैफिकिंग की मासिक गोष्ठी व कार्यशाला का हुआ आयोजन

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (नोडल अधिकारी) जनपद ललितपुर के पर्यवेक्षण में व उपस्थिति में थाना ए0एच0टी0 व एस0जे0पी0यू0 तथा समस्त थानों के बालकल्याण पुलिस अधिकारी के साथ मासिक गोष्ठी माह नवम्बर 2025 की समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला पुलिस लाइन जनपद ललितपुर स्थिति सभागार कक्ष में आहुत की गयी, जिसमें महिला व बाल सुरक्षा संगठन उ0प्र0 लखनऊ द्वारा जारी एसओपी, अनुसंधान एवं थानों पर नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के समक्ष आ रही समस्या

एवं बाल गुमशुदा, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम, लैंगिक समानता, साइबर क्राइम, एससी/एसटी एक्ट, नारी शक्ति किशोर न्याय अधिनियम 2015 में हुए नवीनतम संशोधन पोस्को एक्ट के अभियोग पंजीकृत होने के 24 घंटे के अंदर सीडब्ल्यूसी को सूचित करना, पॉस्को के मामले में फार्म ए व बी व एसबीआर रिपोर्ट पुलिस द्वारा भरकर संबंधित को समय से भेजा जाना बाल कल्याण अधिकारी के कर्तव्य का पालन, जे.जे एक्ट के अंतर्गत सामाजिक पृष्ठभूमि आदि तथा पोक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्तों की माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त बेल नोटिस को बाल कल्याण समिति एवं वादी/पीड़िता को अंदर समय उपलब्ध कराना के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गई । साथ ही साथ जनपद मे गुमशुदा बच्चों के पंजीकृत व लंबित मामलो व पास्को एक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत अभियोगों पर चर्चा व जेजे एक्ट से सम्बंधित आदेश निर्देश एवं जागरुकता के अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया, इस बैठक मे जनपद ललितपुर के सी0डब्लू0सी0, श्रम विभाग, जिला प्रोबेशन, चाइल्ड लाइन, प्रधान किशोर न्याय बोर्ड, जिला अभियोजन, वन स्टाफ सेन्टर एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण व सभी थानो से सम्बन्धित बाल कल्याण अधिकारी/कर्म0गणों ने बैठक में प्रतिभाग किया ।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं छात्राओं को किया जागरूक

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के अंतर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की ।

आपात स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर्स। 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा,102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन साइबर अपराध से बचाव के लिए निम्न जानकारियाँ दी गई। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें ।

कभी भी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक डिटेल, ओटीपी आदि मांगने पर कभी न दें ।

सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते । किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने विना उसे फोरवर्ड व शेयर न करें ।

अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें । कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच, या धमकी पर विश्वास न करें ।

प्लेस्टोर से जैनुइन ऐप ही डाउनलोड करें, प्लेस्टोर के अलावा कहीं से भी ऐप डाउनलोडन करें ।

महिलाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु शासन द्वारा चलाये जा रही योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वन स्टाप सेन्टर, आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

बलिया में लव मैरिज करने पर लड़की को मार डाला

बलिया। बलिया में भागकर शादी करने पर भाई और चाचा ने मिलकर लड़की को मार डाला। चाचा ने लड़की के दोनों पैर पकड़े, फिर भाई ने गला दबा दिया। इसके बाद लाश से कपड़े उतारकर कंबल में लपेट लिया। लाश रेलवे ट्रैक के किनारे ले गए। वहां चाकू से सिर काटकर अलग कर दिया। फिर ट्रेन के आगे फेंक दिया। जिससे लाश की पहचान न हो सके और यह हादसा लगे। पुलिस ने सोमवार को लड़की के भाई को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया। उसने कबूल किया- बहन ने भागकर शादी की थी। इससे हमारी बदनामी हो रही थी। इसी वजह से उसे मार डाला। पुलिस ने भाई के पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया है। फरार चाचा की तलाश की जा रही है है। मामला बैरिया थाना क्षेत्र का है। टोला फते राय में 20 साल की प्रीति रहती थी।

युवक की संदिग्ध मौत, प्रेमिका ने खाया जहर

सोनभद्र के गुरमुरा में लिव-इन पार्टनर की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

सोनभद्र। सोनभद्र में प्रेमी की प्रेमिका के घर में मौत हो गई। रविवार की रात प्रेमी युगल भोजन करके सोने चले गए। सुबह घर वाले जब दरवाजा खोला तो प्रेमी बडेर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। वहीं प्रेमिका बेहोशी की हालत में मिली, जिसने जहर खा लिया था।

प्रेमिका के घर वाले लड़की को अस्पताल लेकर चले गए। जबकि युवक को फंदे से नीचे उतार कर जमीन पर लिटा दिया था। सुबह प्रेमी की बहन ने देखा तो मरा पड़ा था। बोली- मेरे भाई की गला दबाकर मारा गया है। मामला चोपन थाना क्षेत्र के गुरमुरा गांव का है।

अब जानिए पूरा मामला

गुरमुरा निवासी रामचंद्र गोंड के घर का है। जहां रामचंद्र की बेटी सुनीता का दुद्धी क्षेत्र के रजखड़ गांव निवासी

सुनील(22) पुत्र बीर शाह गोंड से प्रेम संबंध था। यह पिछले एक वर्ष से चल रहा था। सुनील की दो बहनों की शादी प्रेमिका के घर के पास हुई थी, जिसके चलते उसके वहां आने-जाने से एक वर्ष पहले सुनीता से जान-पहचान हुई और दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए।

जहां सोमवार सुबह दुद्धी क्षेत्र के रजखड़ गांव निवासी 22 वर्षीय सुनील पुत्र बीर शाह गोंड का शव गुरमुरा निवासी रामचंद्र गोंड के घर के बडेर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसी कमरे में उसकी प्रेमिका सुनीता बेहोशी की हालत में मिली, जिसने जहर खा लिया था। मामले के खुलते ही सुनील के परिवार ने लड़की पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है।

हैदराबाद से लौटा था सुनील

परिजनों के मुताबिक सुनील हैदराबाद में पाइपलाइन का काम करता था और लगभग एक सप्ताह पहले ही गांव लौटा था। युवक के घर आने की जानकारी मिलते ही सुनीता भी गुरमुरा से रजखड़ गांव उसके घर पहुंच गई।

परिजनों ने सुनीता को वापस भेजने को कहा, जिसके बाद सुनील उसे उसकी बहन चंद्रावती के घर गुरमुरा लेकर गया। दोनों ने वहीं भोजन किया और फिर सुनीता को उसके पिता रामचंद्र के घर छोड़ने पहुंचे। घर पहुंचते ही सुनीता के जीजा, भाई और भाभी ने सुनील से रात वहीं रुकने के लिए कहा। सुनील मान गया और दोनों एक ही कमरे में सो गए।

सुबह कमरे में लटका मिला सुनील

अगली सुबह जब परिवार वालों ने कमरे का दरवाजा खोला तो सुनील का शव फंदे से लटका था और पास ही सुनीता अचेत पड़ी थी। बताया गया कि लड़की ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। परिवार सुनीता को तुरंत 108 एंबुलेंस से सीएचसी चोपन ले गया।

उधर, सुनील के नहीं लौटने पर उसकी बहन चिंतित होकर गुरमुरा पहुंची। वहां उसने अपने भाई का शव जमीन पर पड़ा देखा। गले पर काले निशान थे। किसी ने उसे स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

इसके बाद उसने गांव में सूचना दी और परिजन मौके पर पहुंच गए। परिवार ने हत्या की आशंका जताते हुए शव उठाकर दुद्धी ले आए।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार, कुछ दिन बाद शुरू होने वाली है 27 साल की जेल की सजा

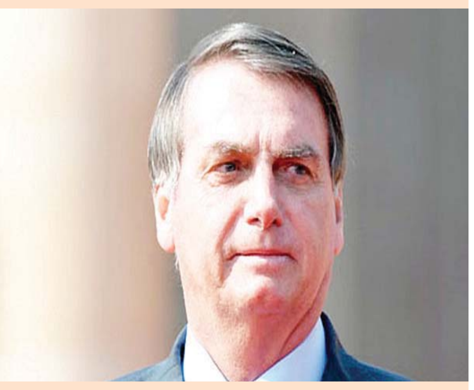

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील की संघीय पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब बोल्सोनारो कुछ ही दिनों में अपनी 27 साल की जेल सजा शुरू करने वाले थे। उनकी सहयोगी अंद्रिएली सिरिनो ने बताया कि गिरफ्तारी सुबह करीब 6 बजे हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बोल्सोनारो को उनकी घर में नजरबंदी वाली जगह से हिरासत में लेकर राजधानी ब्रासीलिया स्थित संघीय पुलिस मुख्यालय लाया गया। यह कार्रवाई ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर की गई। बोल्सोनारो को तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। उन पर आरोप था कि 2022 के चुनाव में हार के बाद उन्होंने सरकार पलटने, लोकतंत्र खत्म करने और हिंसा भड़काने की कोशिश की। अभियोजन पक्ष ने अदालत में यह भी कहा था कि साजिश में राष्ट्रपति लूला की हत्या की योजना और 2023 की शुरुआत में विद्रोह भड़काने की कोशिश भी शामिल थी। अदालत ने उन्हें सशस्त्र आपराधिक संगठन चलाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को हिंसा से समाप्त करने की कोशिश के अपराधों में दोषी पाया। अभी तक बोल्सोनारो घर में नजरबंद थे, लेकिन ब्राजील के कानून के अनुसार सजा शुरू होने पर किसी भी दोषी को जेल में जाना जरूरी है। इसलिए शनिवार की गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं है कि वे पुलिस मुख्यालय में ही अपनी सजा काटेंगे; उन्हें जेल में शिफ्ट किया जाएगा। बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो, पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर लोगों से अपने पिता के समर्थन में सड़कों पर उतरने की अपील कर रहे हैं। कई समर्थक दावा कर रहे हैं कि बोल्सोनारो राजनीतिक साजिश का शिकार हैं। जुलाई में अमेरिकी सरकार की ओर से ब्राजील के कई निर्यातों पर 50% तक शुल्क लगाया गया था, जिसमें बोल्सोनारो का नाम एक आदेश में आया था। हालांकि ट्रंप ने शुक्रवार को इन अधिकांश बढ़े हुए शुल्कों को वापस ले लिया।

ताकाइची के बयान के बाद यूएन तक पहुंचा चीन–जापान तनाव

टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान को लेकर दिए गए बयान के बाद चीन और जापान के बीच तनाव और भी बढ़ गया है। ताकाइची ने बीते सात नवंबर को संसद में कहा था कि ताइवान पर चीन के बल प्रयोग जापान के लिए अस्तित्व खतरा बन सकता है। इसके जवाब में चीन ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र भेजकर इन टिप्पणियों को गलत और बेहद दुर्भावनापूर्ण बताया।

लास एंजिलिस बंदरगाह पर कंटेनर जहाज में भीषण आग

लास एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लास एंजिलिस के बंदरगाह पर शुक्रवार रात एक कंटेनर जहाज में भीषण आग लग गई। दर्जनों दमकलकर्मी तैनात किए गए। वन हेनरी हडसन नामक जहाज पर मौजूद सभी 23 क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और कोई घायल नहीं हुआ। आग जहाज के डेक के नीचे इलेक्ट्रिकल फायर के रूप में शुरू हुई और बाद में कई स्तरों तक फैल गई। इस दौरान एक विस्फोट भी हुआ। जहाज पर खतरनाक सामग्री भी लदी हुई है। इसके चलते 100 से अधिक दमकलकर्मी मोर्चे पर लगे हैं।

यमनी सहायता कर्मियों की गिरफ्तारी से परिजन चिंतित

सना , एजेंसी। यमन की राजधानी सना में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के सहायता संगठनों के कर्मचारियों की गिरफ्तारी से परिवारों में भय का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, संगठन के कर्मचारियों में शामिल अहमद अल–यमनी की बेटी की शादी के अगले ही दिन नकाबपोश सैनिक उनके घर में घुस आए और उन्हें बिना कारण बताए गिरफ्तार कर ले गए। उनका परिवार महीनों तक उनसे कोई संपर्क नहीं कर पाया। माना जा रहा है कि उनका दोष सिर्फ स्थानीय मानवीय संगठनों के लिए काम करना था।

यूरोप में नेटवर्क बढ़ा रहा है हमास, कमांड मिलते ही हमले की तैयारी; मोसाद ने किया खुलासा

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल की खुफिया सेवा मोसाद ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि हमास यूरोप में गुप्त सेल्स के माध्यम से एक ऑपरेशनल नेटवर्क तैयार कर रहा है। जो कमांड मिलते ही कभी भी धमाका करने की क्षमता रखेगा। मोसाद ने कहा कि यूरोपीय सुरक्षा सेवाओं के साथ सहयोग के चलते हथियारों की खोज हुई है, संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है और कई नियोजित हमलों को रोका गया है। मोसाद के बयान के अनुसार, यूरोपीय सहयोगियों ने इजरायली और यहूदी समुदायों को निशाना बनाने की साजिशों को विफल करने में मदद की।

जर्मनी और ऑस्ट्रिया जैसे देशों में संयुक्त कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और नागरिकों के खिलाफ कमांड पर उपयोग के लिए तैयार किए गए हथियारों के जखीरे को जब्त किया गया। जांच एजेंसियों को एक प्रमुख सफलता पिछले सितंबर में वियना में मिली। ऑस्ट्रिया की ष्ठस्ह्य सुरक्षा सेवा को हैंडगन और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे हुए मिली, जिसे बाद में हमास राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी बासेम नईम के बेटे मोहम्मद नईम से जोड़ा गया।

मोसाद ने हमास के विदेशी नेतृत्व पर चुपचाप इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया। मोसाद ने कहा, 'संगठन के कतर स्थित नेतृत्व का आतंकी ऑपरेशनों को आगे बढ़ाने में शामिल होना पहली बार सामने नहीं आया है।' मोसाद ने सितंबर में मोहम्मद नईम और उसके पिता बासेम नईम के बीच कतर में हुई मुलाकात का भी जिक्र किया, जो यूरोप में हमास के औपचारिक समर्थन को दर्शाता है।

जांचकर्ता तुर्की से काम कर रहे हमास-समर्थित व्यक्तियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जर्मन अधिकारियों ने नवंबर में बुरहान अल-खतीब को गिरफ्तार किया। अधिकारियों का कहना है कि वह पहले तुर्की में सक्रिय था। मोसाद ने चेतावनी दी कि वरिष्ठ नेताओं द्वारा चल रहे इनकार दुष्ट गुर्गों पर नेतृत्व के नियंत्रण खोने का संकेत दे सकते हैं।

यूरोपीय खुफिया सेवाओं ने अब सीधे सुरक्षा हस्तक्षेपों से परे कार्रवाई का विस्तार किया है। जर्मनी में अधिकारियों ने फंड जुटाने या चरमपंथी विचारधारा फैलाने में हमास की मदद करने वाली चैरिटी और धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाया है, उन्हें महाद्वीप पर संगठन के बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। मोसाद ने जोर दिया कि हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमले के बाद अपनी विदेशी गतिविधियों को तेज कर दिया है, जो ईरान और उसके प्रॉक्सी द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीतियों के समान, विदेशों में गुप्त सेल और परिचालन क्षमताएं बनाने की कोशिश कर रहा है।

मोसाद ने कहा कि वह वर्तमान में दुनिया भर में दर्जनों हमलावर साजिशों को विफल करने के लिए काम कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायली और यहूदी समुदायों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कई देशों से संदिग्धों को पकड़ा गया मोसाद का कहना है कि हमास का आतंकी नेटवर्क यूरोप में यहूदी समुदाय और इस्त्राइली नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहा था। जर्मनी, ऑस्ट्रिया जैसे देशों में भी मोसाद ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वित ऑपरेशन चलाकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पिछले सितंबर में वियना में ऑस्ट्रिया की डीएनएस सिक्योरिटी सर्विस ने हथियारों का एक जखीरा ढूंढा, जिनमें विस्फोटक और हैंडगन शामिल थे। सुरक्षा बलों ने मोहम्मद नईम नामक संदिग्ध के बारे में पता लगाया, जांच में पता चला कि मोहम्मद नईम हमास के शीर्ष ब्यूरो अधिकारी बासेम नईम का बेटा है, जो गाजा में हमास के शीर्ष नेता खलील अल-हया का करीबी बताया जा रहा है।

हमास नेतृत्व पर मदद का आरोप : मोसाद ने आरोप लगाया कि हमास का नेतृत्व भी यूरोप में आतंकी नेटवर्क तैयार करने में मदद कर रहा है। तुर्किए में भी हमास के संगठन बेस की जांच चल रही है। जर्मनी ने बीते दिनों हमास ऑपरेटिव बुरहान अल खतीब को गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारियों का कहना है कि वह जर्मनी आने से पहले तुर्किए में ही सक्रिय था। जर्मनी में उन संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी टारगेट किया जा रहा है, जिन पर हमास के लिए फंड जुटाने और कट्टरपंथी सोच फैलाने का आरोप है। मोसाद ने दावा किया कि 7 अक्तूबर को इस्त्राइल पर हमले के बाद से हमास ने अपनी विदेश में गतिविधियों को तेज कर दिया है।

जेलेंस्की को ट्रंप का अल्टीमेटम, बोले- 27 तक शांति योजना स्वीकार करें वरना खो देंगे समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए रखी गई शांति योजना में यूक्रेन के सामने कठिन विकल्प रखा है। ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सामने वाशिंगटन के 28-सूत्रीय प्रस्ताव पर 27 नवंबर तक की समयसीमा (अल्टीमेटम) तय की है।

ट्रंप ने जेलेंस्की ने चेताया, यूक्रेन अपनी गरिमा व आजादी या वाशिंगटन का समर्थन खोने का जोखिम उठा रहा है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप बोले-आगामी सर्दियों में रक्तपात को रोकने की जरूरत को देखते हुए समय बहुत कम है और जेलेंस्की को इस योजना को मंजूरी देनी ही होगी। वह बोले, अमेरिकी शांति योजना रूस का समर्थन करती है। जेलेंस्की को यह प्रस्ताव स्वीकार करना ही होगा, और अगर उन्हें यह पसंद नहीं आता है, तो फिर मुझे लगता है कि उन्हें लड़ते रहना चाहिए। ट्रंप ने कहा, उन्हें कहीं न कहीं कुछ ऐसा स्वीकार करना ही होगा जो अब तक नहीं किया गया है।

यथार्थवादी रास्ता पहचाना : इससे पहले टीवी पर जेलेंस्की ने आगाह किया, देश एक महत्वपूर्ण दौर में है। यूक्रेन एक कठिन विकल्प का सामना कर सकता है। उसके सामने सम्मान की हानि या अहम साझेदार को खोने का खतरा है। ट्रंप

ने ओवल दफ्तर में कहा, मैं मानता हूं कि शांति का एक यथार्थवादी रास्ता पहचान लिया गया है, लेकिन प्रस्ताव जेलेंस्की के हस्ताक्षर से ही आगे बढ़ सकता है।

यूरोप का अटूट समर्थन और चिंताएं : यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए अपने अटूट समर्थन को दोहराया है, रूस की आक्रामकता को यूरोप के लिए ही अस्तित्वगत खतरा मानते हुए जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटिश नेताओं ने जी-7 सदस्यों से बात भी की। सभी ने यूक्रेन को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। जेलेंस्की ने जब कहा कि यूक्रेन को यह चुनना होगा कि वह अपनी गरिमा को जोखिम में डालना चाहता है या एक प्रमुख सहयोगी को खोना चाहता है, तो ट्रंप ने चेतावनी दी कि यूक्रेन अपना भूभाग खो रहा है और कुछ ही समय में खो देगा। जेलेंस्की ने कहा-कीव शांति को संभव बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर अमेरिका और यूरोप के साथ मिलकर काम करने पर सहमत हो गया है।

सीजफायर के बाद भी नहीं मान रहा इस्राइल: गाजा में फिर की एयरस्ट्राइक, 24 लोगों की मौत; अस्पतालों ने की पुष्टि

गाजा, एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने शनिवार को हमास ठिकानों में हवाई हमले किए, जिनमें 24 लोगों की मौत हो गई और 54 लोग घायल हुए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इस्राइली सेना ने दावा किया कि ये हमले उन हमास लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने संघर्षविराम के बावजूद इस्राइल-नियंत्रित क्षेत्र में घुसकर सैनिकों पर गोली चलाई। सेना ने इस घटना को सीजफायर का गंभीर उल्लंघन बताया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि कार्रवाई में हमास के पांच वरिष्ठ सदस्य मारे गए, जबकि हमास ने आरोप लगाया कि इस्राइल बहाने बनाकर युद्ध फिर शुरू करना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका द्वारा कराए गए युद्धविराम के बावजूद इस्राइल अब तक गाजा में 394 हमले कर चुका है, जिनमें 300 से अधिक लोग मारे गए और करीब 700 से ज्यादा घायल हुए। इससे पहले बुधवार को भी आईडीएफ ने गाजा में हमले कर 25 लोगों को मार दिया था, जब इस्राइल ने दावा किया कि हमास ने युद्धविराम का उल्लंघन किया है। कई हमले, कई मोहल्ले तबाह गाजा में कई इलाकों पर एक के बाद एक हुए हमलों ने पूरे माहौल को दहशत से भर दिया। गाजा सिटी के रिमाल क्षेत्र में एक वाहन को निशाना बनाए गए हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए। शिफा अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों में बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं। इसी के साथ, अल-अवदा अस्पताल के पास एक मकान पर हुए हमले में 3 लोगों की जान गई और 11 घायल हुए। नुसेरात कैंप में एक घर पर किए गए हमले में सात लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। दैर अल-बलाह में एक और आवासीय घर को निशाना बनाए जाने से तीन लोगों की मौत हुई, जिनमें एक महिला भी थी। दैर अल-बलाह के खालिल अबू हातब ने भयावह दृश्य बताते हुए कहा अचानक जोरदार धमाका हुआ और चारों तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। यह कैसा संघर्षविराम है? यहां तो कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

वेनेजुएला में तख्तापलट करा सकता है अमेरिका:सीक्रेट ऑपरेशन की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में वेनेजुएला के खिलाफ नया ऑपरेशन शुरू हो सकता है। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का तख्तापलट भी करवा सकता है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत सीक्रेट ऑपरेशन से हो सकती है। अभी साफ नहीं है कि यह कदम कब उठाया जाएगा और इसका दायरा कितना बड़ा होगा, लेकिन इतना जरूर है कि ट्रम्प प्रशासन इसे लेकर काफी गंभीर है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई इलाके में बड़ी संख्या में जहाज, विमान और सैनिक तैनात किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच टकराव की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका बोला- हर तरह की ताकत

का इस्तेमाल करेंगे अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और सीक्रेट एजेंसी सीआईए इस पूरे मामले पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ड्रग तस्करी रोकने के लिए हर तरह की ताकत का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। कैरेबियाई इलाके में बीते कुछ महीनों से अमेरिकी सेना का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। सबसे बड़ा अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'जेराल्ड आर फोर्ड' और उसके साथ कई युद्धपोत, एक परमाणु पनडुब्बी और स्न-35 विमान तैनात किए गए हैं। मादुरो ड्रग तस्करी का आरोप लगा रहा अमेरिका अमेरिका लंबे समय से मादुरो पर आरोप लगाता रहा है कि वह ड्रग तस्करी में शामिल हैं, हालांकि मादुरो इन आरोपों को साफ तौर पर झूठा बताते हैं। दूसरी तरफ मादुरो का कहना है कि अमेरिका उन्हें सत्ता से निकालना चाहता है, लेकिन देश और सेना किसी भी बाहरी दखल का विरोध करेगी। अमेरिकी सेना सितंबर से अब तक दर्जनों ड्रग बोट्स पर हमले कर चुकी है, जिनमें 80 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अमेरिका बिना सबूत के लोगों को मार रहा है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। वेनेजुएला के एयरस्पेस से उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी हालात और तनावपूर्ण तब हो गए जब अमेरिका की फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने वेनेजुएला के ऊपर उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी कर दी। एफएए ने कहा कि वेनेजुएला के एयर स्पेस में मिलिट्री एक्टिविटी बढ़ गई है और जीपीएस सिस्टम में दखल जैसी समस्याएं देखी गई हैं, जो उड़ानों के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। हालांकि वेनेजुएला ने कभी नागरिक विमानों को निशाना बनाने की बात नहीं कही है। इस चेतावनी के बाद कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने वेनेजुएला से उड़ानें रद्द कर दीं। टकराव के बीच दोनों देशों में बातचीत भी जारी इस बीच अमेरिका सोमवार को 'कार्टेल दे लॉस सोल्स' को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करने जा रहा है।

अमेरिका का आरोप है कि मादुरो इस संगठन का नेता है, जबकि मादुरो इसे पूरी तरह नकारते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा है कि आतंकी संगठन घोषित होने के बाद अमेरिका के पास कई नए विकल्प खुल जाएंगे, यानी सैन्य कार्रवाई की संभावना और बढ़ सकती है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बातचीत भी चल रही है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत से तनाव कम होगा या अमेरिकी प्लानिंग में कोई बदलाव आएगा। अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम भी बढ़ाकर 50 मिलियन डॉलर कर दिया है।

नाइजीरिया के कैथोलिक स्कूल पर हमले में 300 से अधिक बच्चों का अपहरण

नाइजर, एजेंसी। नाइजीरिया के नाइजर में बंदूकधारियों ने एक कैथोलिक संस्थान पर शुक्रवार को हमला कर 303 स्कूली छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' (सीएएन) ने यह जानकारी दी। सीएएन ने पहले बताया था कि 215 छात्रों का अपहरण किया गया है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के अध्यक्ष 'मोस्ट रेवरेंड' बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार, ''सत्यापन प्रक्रिया और अंतिम गणना के बाद'' संख्या में बदलाव किया गया। योहाना ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान 88 अन्य छात्रों को ''भागने की

कोशिश करते समय पकड़ लिया गया।'' इनमें लड़के और लड़कियां शामिल हैं और उनकी उम्र 10 से 18 साल के बीच है। हमला और अपहरण की यह घटना 'सेंट मैरीज स्कूल' में हुई, जो अग्वारा स्थानीय सरकार के पापिरी समुदाय में स्थित एक कैथोलिक संस्थान है। नाइजर राज्य पुलिस कमान ने कहा कि अपहरण की घटना तड़के हुई और उसके बाद से इलाके में सेना एवं सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उसने बताया कि सेंट मैरीज एक माध्यमिक विद्यालय है। उपग्रह से ली गई तस्वीरों से पता चलता है कि स्कूल परिसर एक निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा हुआ है और इसमें 50 से अधिक कक्षाएं और छात्रावास हैं। यह येल्वा और मोक्वा कस्बों को जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क के पास स्थित है। स्थानीय निवासी दाउदा चेकुला (62) ने बताया कि अपहृत स्कूली बच्चों में उनके चार पोते-पोतियां भी शामिल हैं, जिनकी उम्र सात से 10 साल के बीच है। नाइजर राज्य सरकार के सचिव द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पूर्व में दी गई खुफिया चेतावनी के बावजूद यह अपहरण हुआ। बयान में कहा गया, ''सेंट मैरीज स्कूल ने राज्य सरकार को सूचित किए बिना या उसकी मंजूरी लिए बिना ही शैक्षणिक गतिविधियां पुनः शुरू कर दीं, जिससे विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अनावश्यक जोखिम का सामना करना पड़ा।'' अभी तक किसी भी समूह ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। योहाना ने राज्य सरकार के इस दावे को झूठा बताया कि नाइजर राज्य के इस क्षेत्र के विद्यालयों को सुरक्षा खतरों के कारण अस्थायी रूप से बंद करने का निर्देश दिए जाने के बावजूद स्कूल को खोला गया।

टैरिफ की धमकी देकर 8 में से 5 युद्धों को रुकवाया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 8 में से 5 युद्धों को रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यूएस दुनिया भर के देशों से टैरिफ के रूप में खरबों डॉलर कमा रहा है, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर एक लंबे पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'हम विदेशों से टैरिफ और निवेश के रूप में खरबों डॉलर कमा रहे हैं। मैंने आठ में से पांच युद्धों को टैरिफ की धमकी के जरिए रोका है। अगर वे लड़ना बंद नहीं करेंगे या फिर शुरू करेंगे तो टैरिफ लगा दूंगा। डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रोकने का दावा कई बार कर चुके हैं। हालांकि, भारत ने कभी भी ट्रंप की उस सीजफायर समझौते में भूमिका की पुष्टि नहीं की है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर तंज कसते हुए ट्रंप ने दावा किया कि अभी महंगाई लगभग शून्य है, जबकि स्लिपी जो बाइडेन के समय यह अमेरिकी इतिहास में सबसे खराब स्तर पर थी। उन्होंने लिखा, 'स्टॉक मार्केट ने 9 महीनों में 48वीं बार ऑल टाइम हाई छुआ है। जिन देशों ने वर्षों से अपने टैरिफ के जरिए अमेरिका को लूटा है, अब हमारा कोर्ट सिस्टम आपको हमारे देश को बर्बाद करने की इजाजत नहीं देगा। ट्रंप ने किस तरह का टैरिफ लगाया राष्ट्रपति ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अभी अमेरिका अपनी पूरी इतिहास में सबसे अमीर, सबसे मजबूत और सबसे सम्मानित देश है। इसके पीछे का कारण 5 नवंबर 2024 (अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख) और टैरिफ हैं। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम का उपयोग करते हुए टैरिफ लगाए हैं। इनमें बेसलाइन 10 प्रतिशत टैरिफ सभी आयात पर है, जबकि बड़े व्यापार घाटे वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए गए हैं, जो 15 से 41 प्रतिशत तक या इससे अधिक हैं। चीन पर कुल 54, भारत-ब्राजील पर 50, यूरोपीय संघ-जापान पर 15 और कनाडा पर 35 टैरिफ लगाया है। स्टील, एल्यूमीनियम, तांबा पर 50 और कारों पर 25प्रतिशत जैसे प्रोडक्ट स्पेशल टैरिफ भी हैं।

एक और देश में विद्रोह की चिंगारी भड़की, सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ट्यूनिस, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया में भी सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। शनिवार को हजारों की संख्या में लोग राष्ट्रपति काइस सईद के खिलाफ राजधानी ट्यूनिश की सड़कों पर उतरे। लोग राष्ट्रपति सईद की बढ़ती कथित तानाशाही और जेल में बंद राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने 'अन्याय के खिलाफ' बैनर के तले विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व जेल में बंद राजनीतिक कैदियों के परिवारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने किया।

राष्ट्रपति सईद पर न्यायपालिका में दखलअंदाजी का आरोप : प्रदर्शन में हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी शामिल हुए, जिन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। ये प्रदर्शन ऐसे समय हो रहे हैं, जब ट्यूनीशिया आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर परेशानियों से घिरा हुआ है। इससे पहले गुरुवार को ट्यूनीशिया के पत्रकारों ने भी सरकार विरोधी प्रदर्शन किए। दरअसल पत्रकारों ने प्रेस की आजादी को दबाने और प्रमुख नागरिक समाज संगठनों के खिलाफ कार्रवाई विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति सईद न्यायपालिका में दखलअंदाजी कर रहे हैं। साथ ही उन पर अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने आरोप है।

जेल में बंद विपक्षी नेताओं के परिजन विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए : जेल में बंद विपक्षी नेता अब्देलहामिद जलसी की पत्नी मोनिया ब्राहिम ने कहा कि वह मार्च में इसलिए शामिल हुई क्योंकि उनका मानना है कि कई ट्यूनीशियाई लोगों के साथ बहुत नाइंसाफी हो रही है। मैं एक नागरिक के तौर पर अपने अधिकारों की रक्षा करने आई हूं।' उन्होंने कहा कि 'राजनीतिक कैदी अच्छी तरह जानते हैं कि वे अपने उसूलों, सिविल और पॉलिटिकल

एक्टिविज्म के अपने संवैधानिक हक की कीमत चुकाने के लिए जेल में हैं, और आज ट्यूनीशिया में बनी सरकार उन्हें बंधक बनाए हुए है।' हिरासत में लिए गए लोगों में से कुछ भूख हड़ताल पर हैं, जिसमें संवैधानिक कानून के प्रोफेसर जाहेर बेन म्बारेक भी शामिल हैं, जो 20 दिनों से ज़्यादा समय से हड़ताल पर हैं। ट्यूनीशिया में बढ़ते दमन पर कई मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि 2022 के आखिर से 50 से ज़्यादा लोगों को, जिनमें राजनेता, वकील, पत्रकार और एक्टिविस्ट शामिल हैं, अपनी बात कहने की आजादी, शांति से इकट्ठा होने या राजनीतिक गतिविधि चलाने के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए गिरफ्तार किया गया। राइट्स ग्रुप ने यह भी चेतावनी दी कि बड़े पैमाने पर एंटी-टेररिज्म और साइबरक्राइम कानूनों का इस्तेमाल असहमति को दबाने के लिए किया जा रहा है।

मार्को जानसन के 6 विकेटों ने ढाया कहर: भारतीय टीम 201 रनों पर सिमटी, दक्षिण अफ्रीका की 314 रनों की बढ़त

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सिर्फ़ 201 रनों पर आउट कर 288 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। मेहमान टीम की पहली पारी में शानदार प्रदर्शन करने वाले मार्को जेनसन ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे भारतीय बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। भारतीय टीम को कमज़ोर स्कोर पर आउट करने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने फिर से बल्लेबाजी की और तीसरे दिन का खेल आठ ओवर में 26/0 पर समाप्त हुआ। सलामी बल्लेबाज़ एडेन मार्करम (12*) और रयान रिकेल्टन (13*) नाबाद क्रीज़ पर थे और दक्षिण अफ्रीका 314 रनों की बढ़त के साथ आगे था।

भारत ने लंच के बाद के सत्र में 174/7 के स्कोर से शुरुआत की, जिसमें वाशिंगटन सुंदर (33*) और कुलदीप यादव (14*) नाबाद रहे और भारत 315 रनों से पीछे था। वाशिंगटन और कुलदीप ने सतर्कता से खेलते हुए बीच-बीच में चौके भी लगाए। हालांकि, प्रोटियाज़ स्पिनर साइमन हार्मर ने दिन का अपना तीसरा विकेट हासिल किया और वाशिंगटन को आउट कर दिया, जिससे भारत की विरोधी टीम की बढ़त को और कम करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हार्मर की आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंद पर वाशिंगटन ने पहली स्लिप में खड़े एडेन मार्करम को कैच थमा दिया। वाशिंगटन ने 92 गेंदों पर 48 रन बनाने के बाद अपना विकेट गंवा दिया, जिससे भारत का स्कोर 194/8 हो गया।

जसप्रीत बुमराह के रूप में नए बल्लेबाज़ कुलदीप के साथ क्रीज़ पर थे, और जैनसन, जो पहले ही चार विकेट ले चुके थे, दूसरे छोर से भारतीय पुछल्ले बल्लेबाज़ों को लगातार परेशान कर रहे थे। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज़ों ने 81वें ओवर में दूसरी नई गेंद ली और कुछ ही देर में कुलदीप भी आउट हो गए। 82वें ओवर में जैनसन ने अपना विकेट गंवा दिया और भारत का स्कोर 194/9 हो गया। कुलदीप ने 134 गेंदों पर 19 रन की ज़बरदस्त पारी खेलने के बाद शॉर्ट-लेंथ गेंद पर दूसरी स्लिप में मार्करम को कैच थमा दिया। कुलदीप के विकेट के साथ ही जैनसन ने पाँच विकेट पूरे कर लिए।

मोहम्मद सिराज और बुमराह के क्रीज़ पर रहते हुए, भारत ने सात रन और जोड़े, इससे पहले जैनसन ने बुमराह का भी विकेट लिया, जिससे पारी में उनके विकेटों की संख्या छह हो गई। इससे पहले, भारत ने दूसरे सत्र की शुरुआत 102/4 से की, जिसमें कप्तान ऋषभ पंत (6*) और रवींद्र जडेजा (0*) नाबाद थे। मेजबान टीम का बल्लेबाजी में संदिग्ध रवैया जारी रहा, क्योंकि कप्तान पंत ने एक जोरदार शॉट खेला, लेकिन गेंद दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में चली गई।

पंत भारत के स्कोर में सिर्फ़ सात रन ही जोड़ पाए और भारत ने 37.2 ओवर में 109 रन पर अपनी आधी टीम गंवा दी। नितीश कुमार रेड्डी भी ज़्यादा देर तक क्रीज़ पर नहीं

टिक सके और एडेन मार्करम के शानदार कैच ने उनकी पारी का अंत कर दिया, जो 18 गेंदों में 10 रन पर थी। जेनसन अपनी लंबाई और उछाल से भारत को परेशान करते रहे, जिसका सामना करना जडेजा के लिए भी मुश्किल रहा। रवींद्र जडेजा के आउट होने के साथ ही भारत का स्कोर 43.3 ओवर में 122/7 हो गया। वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने बल्ले से भारत की लड़ाई को और लंबा खींचा और 56.3 ओवर में भारत को 150 के पार पहुँचा दिया। सुंदर ने जहाँ कुछ आक्रामक शॉट लगाए, वहीं कुलदीप ने भी कुछ रन बटोरे।

अब राहुल की कप्तानी में खेलते नजर आयेंगे विराट और रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। अनभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा और विराट कोहली को प्रशंसक अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते हुए देख पायेंगे। ये सीरीज इस माह के अंत में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के एल राहुल की कप्तानी में उतरेगी। ऐसे में ये दोनो ही दिग्गज शुभमन गिल के बाद अब राहुल की कप्तानी में खेलते हुए दिखेंगे। इसमें सभी की नजरें विराट और रोहित के प्रदर्शन पर रहेंगी। प्रशंसक भी इनसे बड़ी पारी की उम्मीद करेंगे। इस सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर ही इन दोनो को आगे अवसर मिलेगा।

इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। शुभमन की गर्दन में अकड़न के कारण उनकी जगह राहुल को कप्तानी मिली है। इससे पहले रोहित और विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शुभमन की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज खेली थी। रोहित और विराट के होने से शीर्ष और मध्य क्रम मजबूत होगा। इससे टीम मे स्थायित्व आने की संभावना है। वहीं उप कप्तान की जिम्मेदारी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दी गयी है। इसी सीरीज में शुभमन की जगह पर रुतुराज गायकवाड़ को शामिल किया गय है। रुतुराज ने भारत ए की ओर से हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी इसी सीरीज में खेलेंगे। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तिलक वर्मा को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

टोक्यो से भी बड़ा कारनामा ! ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप भारत ने जीता, पीएम-जय शाह ने सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार आयोजित हुए दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में जीत के लिए भारतीय महिला टीम को बधाई दी और कहा कि यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के पहले संस्करण को जीतकर इतिहास रच दिया। भारत ने रविवार को कोलंबो में एकतरफा फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने X पर पोस्ट किया कि भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए बधाई ! इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे श्रृंखला में अपराजित रहीं। यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है, कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है ! टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतने आक्रामक रणनीति अपनानी होंगी: शास्त्री

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में भारतीय टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे आक्रामक बल्लेबाजी करने होगी। शास्त्री ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को अधिक समय खराब न करते हुए तेजी से रन बनाने चाहिए। साथ ही पहली पारी में हो सके तो दक्षिण अफ्रीका से कम रनों पर भी पारी घोषित कर दे। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में केवल 4 बार दूसरी पारी में विरोधी टीम से कम पर पारी घोषित की है, इसमें एक भी बार भी भारतीय टीम को जीत नहीं मिली है। भारतीय टीम एक मैच हारी जबकि तीन ड्रॉ रहे हैं।

शास्त्री ने कहा, 'भारतीय टीम को तय करना होगा कि वे नई गेंद का सामना कैसे करते हैं, फिर गेम को आगे बढ़ाएं और जीत दर्ज करें। उन्हें फैसले लेने होंगे, जिसका अर्थ है कि आप शायद पहले घोषित करना चाहें, फिर दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट करने के प्रयास करें।' उन्होंने साथ ही कहा, 'आपको ये अवसर लेने होंगे। आप दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 489 रन से आगे बल्लेबाजी करने का इंतजार नहीं कर सकते इसमें बहुत समय लगेगा।'

गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट में 33 बार टीमों ने दूसरी पारी में पीछे होने पर पारी घोषित की है पर इसमें केवल तीन अवसरों पर ही इन टीमों को जीत मिली है। भारतीय टीम ने ऐसा चार बार किया है पर उन्हें एक बार भी जीत नहीं मिली। उन्हें एकमात्र हार 1948 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में मिली थी, जब उन्होंने 103 रन कम पर पारी घोषित की थी। वहीं तीन अन्य बार मुकाबले ड्रॉ रहे थे।

वेंकटेश प्रसाद बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 सीजन के लिए मुनाफ पटेल की जगह पर पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को अपना नया गेंदबाजी कोच बना सकती है। इस कारण है कि मुनाफ के रहते टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वहीं प्रसाद का अपने करियर के दौरान प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर भी सफल रहे हैं। जिसको देखते हुए कैपिल्स टीम उन्हें शामिल करना चाहती है। वहीं मुनाफ साल 2025 में कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच थे और उनके मार्गदर्शन में गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। कैपिटल्स लीग के 18वें सीजन में लगातार चार जीत के बाद भी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। इसी को देखते हुए कैपिटल्स नये सत्र में टीम नई सोच के साथ उतरना चाहती है और इसके लिए कोचिंग टीम में बदलाव करने जा रही है। अपने पहले आईपीएल खिताब को तलाश रही कैपिटल्स के गेंदबाजी विभाग को वेंकटेश के आने से मजबूती मिलेगी। उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया में अटकलें जारी हैं पर कैपिटल्स ने अभी तक आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत शानदार प्रदर्शन के साथ की थी पर वह कमजोर गेंदबाजी के कारण दूसरे हिस्से में लड़खड़ा गयी। इसके पीछे उनकी खराब बल्लेबाजी और कमजोर गेंदबाजी रणनीति थी।

संजू सैमसन को वनडे टीम में जगह न मिलने पर भड़के अनिल कुंबले

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसम को शामिल नहीं किये जाने की आलोचना की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) ने 30 नवंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए केएल राहुल को टीम का कमान बनाया है क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की अकड़न के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इस सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की टीम में वापसी हुई है पर सैमसन को एक बार फिर अवसर नहीं मिला है। माना जा रहा है कि चयनकर्ताओं ने सैमसन के अच्छे फार्म के बाद भी उनकी उपेक्षा की है। कुंबले का मानना है कि सैमसन ने पिछले कुछ समय में एकदिवसीय प्रारुप में अपनी बल्लेबाजी बेहतर बनायी है। इसके आधार पर वह टीम में जगह पाने के अधिकारी थे। कुंबले ने कहा, मैं सैमसन का देखना चाहूंगा। क्योंकि मुझे लगता है उन्होंने कुछ साल पहले जो एकदिवसीय खेला था, उसमें शतक लगाया था। मैं जानता हूं कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय दल में शामिल नहीं थे। वहीं ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जगह दी गई है। वह लंबे समय बाद एकदिवसीय में वापसी में सफल रहे हैं।

शुभमन की गर्दन की जकड़न बनी रहस्य : किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं पायी गयी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की गर्दन की अकड़न को लेकर अभी तक रहस्य बना हुआ है। शुभमन इसी कारण दूसरे टेस्ट के साथ ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। वहीं जांच रिपोर्ट्स के अनुसार शुभमन को किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं है। इसके बाद भी शुभमन के दर्द से उबरने में हो रही देरी से सभी हैरान हैं। सभी हैरान हैं कि उनकी रिकवरी में इतना समय क्यों लग रहा है। साधारण हालातों में गर्दन की अकड़न आम है। यही वजह थी कि वे टीम के साथ दूसरे टेस्ट के लिए गुवाहाटी भी गये थे पर आराम नहीं मिलने के कारण अचानक ही जांच के लिए मुम्बई चले गये। अगर गर्दन की अकड़न 2 दिन में ठीक न हो, तो इसे पूरी तरह ठीक होने में 15-20 दिन तक लग सकते हैं पर परे आराम की जरुरत होती है। वहीं यदि आराम का समय न हो, तो डॉक्टर एक ऐसा इंजेक्शन देते हैं जो रिकवरी की प्रक्रिया को तेज कर देता है। इंजेक्शन का पूरा असर दिखने में लगभग 3 दिन लगते हैं। इसके बाद खिलाड़ी रीहैब शुरू कर सकता है। शुभमन को यह इंजेक्शन दे दिया गया है और प्राप्त जानकारी के अनुसार वे अब पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। इसी कारण अब एक-दो दिन में उनका रीहैब शुरू हो जाएगा। वे कितनी जल्दी मैदान पर लौटेंगे, यह उनके रीहैब की गति पर निर्भर करेगा. डॉक्टरों को भरोसा है कि अगर सब ठीक रहा, तो शुभमन टी20 सीरीज में खेल सकते हैं हालांकि ये अभी तक तय नहीं है।

इटली ने स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप जीता, जानें पहले किस देश ने किया ऐसा

बोलोग्ना (इटली) (एजेंसी)। इटली ने यानिक सिनर की अनुपस्थिति के बावजूद स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप का खिताब जीता और इस तरह से इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी। सिनर की अनुपस्थिति में मैटियो बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली इटली के लिए स्टार रहे। इन दोनों ने अपने एकल मैच जीतकर इटली को फाइनल में स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई।

यह इटली का लगातार तीसरा और कुल चौथा डेविस कप खिताब है। लगातार तीन खिताब जीतने वाला आखिरी देश अमेरिका था, जिसने 1968 से 1972 तक लगातार पांच खिताब जीते थे। पिछले दो वर्षों में इटली को डेविस कप का खिताब

दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अगले सत्र की तैयारी के लिए इस बार डेविस कप में भाग नहीं लिया।

यही नहीं इटली के विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी भी नहीं खेल रहे थे। इटली को उनकी जरूरत नहीं पड़ी। उसने इस सप्ताह बोलोग्ना के सुपरटेनिस एरेना में अपने तीनों मैच 2-0 से जीते। इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया तथा सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया। स्पेन भी अपने स्टार खिलाड़ी और विश्व में शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज़ के बिना खेल रहा था।

फाइनल में बेरेटिनी ने पाब्लो कैरेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से हराया। उसके बाद कोबोली ने जौम मुनार को 1-6, 7-6 (5), 7-5 से हराकर इटली की जीत सुनिश्चित की। इटली ने पहली बार 1976 में डेविस कप जीता था। उसके बाद उसने 2023 और 2024 में मलागा में खिताब जीता था। यह पहली बार है जब उसने अपनी धरती पर जीत हासिल की है। छह बार का चैंपियन स्पेन 2019 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में खेल रहा था।

स्मृति मंधाना के मंगेतर पलाश भी बीमार हुए , अस्पताल ले जाया गया , तबियत में सुधार के बाद होटल लौटे

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना की परेशानियां बढ़ती जा रही है। उनके पिता को जहां रविवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं अब उनके मंगेतर पलाश मुच्छल के भी बीमार होने की जानकारी मिली है। पलाश को इसके बाद अस्पताल ले जाया गया हालांकि तबीयत में सुधार होने की वजह से वह वापस होटल रूम में लौट आये हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें एसीडिटी और संक्रमण हुआ था पर अब वह ठीक हैं। मंधाना ने पिता की तबीयत खराब होने की वजह से ही अपनी शादी भी टाल दी है। वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर, डॉ. नमन शाह ने कहा कि एक चिकित्सा टीम उनके पिता की सेहत पर नजर रख रही है। अगर उनकी तबियत स्थिर रहती है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा, रविवार को करीब 1.30 बजे स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को बाईं ओर सीने में दर्द हुआ। जैसे ही लक्षण दिखे, उनके बेटे ने मुझे फ़ोन किया, हमने एम्बुलेंस भेजी, उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। हमें ईसीसी व दूसरी रिपोर्ट्स में पता चला कि कार्डियक एंजाइम बढ़े हुए हैं, इसलिए हमें उन्हें ऑब्ज़र्वेशन में रखा। उन्होंने साथ ही कहा, उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ है, इसे कम करने के प्रयास जारी हैं। पूरी टीम उनका ध्यान रख रही है। ऐसे में अगर उनकी हालत बिगड़ती है, तो हमें एंजियोग्राफी करनी होगी।

पाकिस्तान टीम ने बांग्लादेश को सुपर ओवर में हराकर राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीती

दोहा (एजेंसी)। पाकिस्तान ए ने राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीत ली है। पाक ए टीम ने खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को हराया। पाकिस्तान ए की टीम ने इसी के साथ ही तीसरी बार से ट्रॉफी अपने नाम की है। इस टूर्नामेंट का फाइनल काफी संघर्षपूर्ण रहा और सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। फाइनल में दोनो ही टीमों ने तय ओवरों में 125-125 रन बनाये जिसके कारण मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके सलामी बल्लेबाज यासिर खान पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गये। दूसरे ओवर में मोहम्मद फैक भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी गोरी ने 9 गेंद में नौ रन बनाए। इसके बाद साद मसूद ने 26 गेंदों पर 3 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 38 रन बनाये और पारी को संभाला। अराफात मिन्हास ने 25 रन और माज सदाकत ने 23 रन बनाये। वहीं बांग्लादेश की ओर से रिपोन मोंडोल ने तीन जबकि रकिबुल हसन ने दो विकेट लिए। इसके बाद 126 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश को शुरुआत अच्छी रही पर 22 के स्कोर पर पहला विकेट गिरने के बाद टीम ने एक के बाद एक विकेट खो दिये। बांग्लादेश ए की टीम ने एक समय 96 रन पर 9 विकेट गंवा दिये थे पर 10वें नंबर के बल्लेबाज अब्दुल गफ्फार सकलैन ने नाबाद 16 और 11वें नंबर के रिपोन मोंडोल ने नाबाद 11 रन बनाये। इनके बीच 29 रनों की साझेदारी से मैच टाई को गया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 3 विकेट जबकि अहमद दानियाल ने 2 विकेट लिए। इसके बाद सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए की टीम उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पायी। केवल 6 रन ही बना सके और 3 गेंदों में अपने दोनों विकेट खो दिए। इसके बाद जीत के लिए पाकिस्तान ए को 7 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे साद मसूद और माज सदाकत की जोड़ी ने केवल 4 गेंदों में ही हासिल कर लिया।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहास, इंटर मियामी की 4-0 से धमाकेदार जीत

स्पोर्ट्स डेस्क - फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और महानता कभी फीकी नहीं पड़ती। सिनसिनाटी में खेले गए ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में इंटर मियामी की 4-0 की धमाकेदार जीत के साथ मेसी ने अपने करियर का एक और ऐतिहासिक मुकाम छू लिया जिसमें 1300 गोल (गोल + असिस्ट) शामिल हैं। क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल और 404 असिस्ट के साथ मेसी ने अपने करियर को नए ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि उन्हें आधुनिक फुटबॉल के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान देती है।

MLS कप फाइनल की ओर इंटर मियामी की सबसे बड़ी जीत

इंटर मियामी ने FC सिनसिनाटी को हराकर पहली बार MLS कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में कदम रखा। मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा। 19वें मिनट में मिला पहला गोल टीम में जोश भरने वाला साबित हुआ। माटेओ सिल्वेटी के बेहतरीन क्रॉस को मेसी ने शानदार फिनिश में बदल दिया और मियामी को बढ़त दिला दी।

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा: साइना नेहवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा।'

साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है।'

उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है।'

साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढ़ी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा, 'शायद इस पीढ़ी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे। हम जब 18 बरस के हुए, तब तक अच्छे नतीजे मिलने लगे थे।'

अगले हफ्ते ये दो बड़ी कंपनियां निवेशकों को बांटेगी बोनस

एचडीएफसी एएमसी और थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज दे रही मुफ्त शेयर

नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए अगले सप्ताह एक खास मौका आ रहा है। कंपनियां अपने मौजूदा शेयरधारकों को बोनस शेयर देंगी, यानी बिना किसी अतिरिक्त निवेश के उन्हें नए शेयर मिलेंगे। इससे शेयरधारकों की हिस्सेदारी बढ़ती है और पोर्टफोलियो में सुधार होता है। हालांकि, हर शेयर का मूल्य एडजस्ट हो जाएगा। एचडीएफसी एएमसी अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। इसका मतलब है कि जिनके पास एक शेयर है, उन्हें एक नया शेयर मुफ्त मिलेगा। कंपनी का एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट 26 नवंबर 2025 तय किया गया है। इस दिन या इससे पहले शेयर खरीदने वाले निवेशक बोनस पाने के योग्य होंगे। थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अपने निर्धारित है। यह कदम कंपनी की बढ़ती सफलता और शेयरधारकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बोनस इश्यू से निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ती है, बाजार में लिक्विडिटी बेहतर होती है और लंबी अवधि की निवेश रणनीति मजबूत होती है। छोटे निवेशकों के लिए यह अवसर खास तौर पर लाभकारी है, क्योंकि वे बिना अतिरिक्त निवेश के अपने शेयर बढ़ा सकते हैं।

रोल्स-रॉयस का भारत में निजी क्षेत्र पावर सिस्टम कारोबार बढ़ेगा

- 2026-27 तक 60 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय एयरोस्पेस और पावर सिस्टम कंपनी रोल्स-रॉयस ने कहा है कि 2026-27 तक उसका भारत में निजी क्षेत्र का पावर सिस्टम कारोबार सरकारी आपूर्ति से अधिक हो जाएगा। कंपनी अपने उत्पाद और समाधान एमटीयू ब्रांड के तहत बेचती है, जिसमें डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर साइट, फैक्ट्रियां और अन्य संस्थागत बैकअप पावर तैनाती शामिल हैं। रोल्स-रॉयस के अनुसार, पहले भारत में कारोबार का लगभग 70 फीसदी हिस्सा सरकारी क्षेत्रों (नौसेना, थल सेना, खनन और अस्पतालों) से आता था और 30 फीसदी निजी क्षेत्र से। अब यह अनुपात लगभग 50-50 प्रतिशत हो गया है। कंपनी का मानना है कि आने वाले वर्षों में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी और बढ़ेगी और 2026-27 तक यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

रोल्स-रॉयस ने निजी क्षेत्र के तीन मुख्य स्तंभों की पहचान की है -

1.डेटा सेंटर: तेजी से बढ़ती मांग के साथ बड़ा अवसर।

2. गैस इंजन: औद्योगिक और व्यावसायिक उपयोग के लिए।

3. सेमीकंडक्टर निर्माण: निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए समाधान।

कंपनी भारत में 25 साल से अधिक समय से सक्रिय है। वर्तमान में 2,600 से अधिक एमटीयू इंजन और जेनसेट नौसेना, थल सेना, खनन और बिजली क्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं।

अमेरिकी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर पर 1 अरब डॉलर की डिफॉल्ट जजमेंट जारी की

1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट जजमेंट जारी करते हुए उन्हें 1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया है। यह मामला बायजू की अमेरिकी कंपनी बायजू अल्फा और अमेरिकी लेंडर जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलआईसी की याचिका से जुड़ा है। बायजू रवींद्रन के नेतृत्व में टीएलपीएल ने अमेरिकी लेंडर्स से 1 बिलियन डॉलर का टर्म लोन बी लिया था।

बाद में आरोप लगे कि बायजू अल्फा ने लोन की शर्तों का उल्लंघन किया और 533 मिलियन डॉलर अवैध रूप से अमेरिका से बाहर ट्रांसफर किए। जीएलएएस ट्रस्ट ने डेलावेयर कोर्ट में केस दायर किया और बायजू अल्फा पर नियंत्रण हासिल किया। डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने पाया कि रवींद्रन डिस्कवरी ऑर्डर का पालन नहीं कर रहे थे और कई बार जानकारी देने से बचते रहे। पहले ही उन्हें प्रतिदिन 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था, जिसे उन्होंने अदा नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि रवींद्रन विदेश में रहते हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि वे कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करना चाहते।

कोर्ट ने रवींद्रन को बायजू अल्फा से जुड़े सभी फंड्स और उनके ट्रांसफर की पूरी जानकारी देने का आदेश दिया। इसमें कम्सहाफ एलपी इंट्रेस्ट जैसे एसेट्स और उनसे जुड़े हर लेन-देन की जानकारी शामिल है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा कि केवल आर्थिक दंड पर्याप्त नहीं है, इसलिए डिफॉल्ट जजमेंट जैसी कठोर कार्रवाई जरूरी थी।

रेलवे ने पार किया 1 अरब टन माल ढुलाई का आंकड़ा

- यह रिकॉर्ड पिछले वर्षों की तुलना में उच्च प्रदर्शन और बढ़ती मांग का संकेत है

नई दिल्ली ।

भारत की आर्थिक रीढ़ मानी जाने वाली रेलवे की माल ढुलाई 2025-26 में 19 नवंबर तक 102 करोड़ टन पार कर गई। यह रिकॉर्ड पिछले वर्षों की तुलना में उच्च प्रदर्शन और बढ़ती मांग का संकेत है। सबसे बड़ा योगदान कोयला (50.5 करोड़ टन) का रहा। इसके बाद लौह अयस्क 11.5 करोड़ टन, सीमेंट 9.2 करोड़ टन, कंटेनर व्यापार 5.9 करोड़ टन, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात 4.7 करोड़ टन, उर्वरक 4.2 करोड़ टन, खनिज तेल 3.2 करोड़ टन, खाद्यान्न 3 करोड़ टन और अन्य माल 7.4 करोड़ टन रहा। रेल मंत्रालय के अनुसार, दैनिक माल ढुलाई 44 लाख टन रही, जो पिछले वर्ष के 42 लाख टन से अधिक है। यह बेहतर संचालन दक्षता और लगातार मांग को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारतीय उद्योगों, निर्माण और ऊर्जा क्षेत्रों की मजबूती को दर्शाती है।

सेंसेक्स की टॉप सात कंप नियों का मार्केट कैप बढ़कर 1.28 लाख करोड़ हुआ

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन पर बरकरार रही

मुंबई ।

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली। इस रफ्तार का फायदा देश की टॉप 10 कंपनियों में से 7 कंपनियों को हुआ, जिनका बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर करीब 1.28 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। हालांकि, तीन दिग्गज कंपनियों को घाटा भी उठाना पड़ा। निवेशक और विशेषज्ञ अब अगले हफ्ते के रुझानों पर नजर रखे हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा फायदा हुआ, इसके बाजार पूंजीकरण में 36,673 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई। भारती एयरटेल का सिर्फ एक हफ्ते में मार्केट कैप 36,579 करोड़ बढ़ गया, आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इन्फोसिस ने 17,490 करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण में 16,299 करोड़ की वृद्धि हुई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 14,608 करोड़ पहुंच गया। एसबीआई और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 4,846 करोड़ और 1,786 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इसके विपरीत बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 8,245 करोड़ रुपए की गिरावट देखी गई। वहीं एलआईसी का बाजार पूंजीकरण घटकर 4,522 करोड़ और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण घटकर 1,248 करोड़ रहा। शीर्ष 10 कंपे नियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान नंबर बन पर बरकरार रहा। एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारतीय एयरटेल तीसरे नंबर पर रही।

भारत, इजरायल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

भारत-इजरायल मुक्त व्यापार समझौते पर दो चरणों में होगा विचार

जेरुशलम । भारत और इजरायल ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता शुरू करने के लिए टीओआर पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगम बनाना और सेवा व्यापार को बढ़ावा देना शामिल है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि समझौते को दो चरणों में लागू करने पर विचार किया जा रहा है। पहला चरण जल्दी पूरा कर, व्यापारिक समुदाय को शीघ्र लाभ पहुंचाना प्राथमिकता होगी। संवेदनशील मुद्दों को अभी नहीं छुआ जाएगा। दोनों देश आरएंडडी और नवाचार के माध्यम से संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे। इजरायल अपनी विशेषज्ञता साझा करेगा और भारत अपने बड़े बाजार का लाभ उठाएगा। गोयल 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व में इजरायल में हैं।

एफपीआई ने इस महीने भारतीय पूंजी बाजार में 3,504 करोड़ का निवेश किया

- अक्टूबर में भी एफपीआई ने कुल 35,246 करोड़ रुपए का निवेश किया था

मुंबई । पिछले कुछ महीनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) का व्यवहार उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन नवंबर में स्थिति थोड़ी अलग दिखी। इस महीने उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार में कुल 3,504 करोड़ रुपए का नेट निवेश किया। हालांकि, इक्विटी से शुद्ध बिकवाली 3,788 करोड़ रुपए रही, लेकिन डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में उनकी खरीदारी बढ़ी। डेट मार्केट में उन्होंने 4,467 करोड़, म्यूचुअल फंड्स में 2,713 करोड़ और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में 112 करोड़ का निवेश किया। इसका मतलब यह है कि विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में पूरी तरह से बाहर नहीं हुए हैं, बल्कि जोखिम भरे हिस्सों से बचते हुए सुरक्षित निवेश कर रहे हैं। अक्टूबर में भी एफपीआई का मूड अच्छा रहा। उन्होंने कुल 35,246 करोड़ रुपए का निवेश किया। इससे पहले जून से सितंबर तक लगातार चार महीने विदेशी निवेशकों ने बिकवाली की थी। इस लिहाज से अक्टूबर-नवंबर दो महीने से निवेश का रुझान लौटता हुआ दिखाई दे रहा है। साल 2024 की पूरी स्थिति देखें तो अब तक एफपीआई की कुल पोजिशन निगेटिव है। भारतीय बाजारों से उन्होंने 45,861 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें इक्विटी से 1,37,516 करोड़, डेट में 87,083 करोड़ का निवेश और म्यूचुअल फंड्स में 2,716 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। नवंबर की गतिविधियों से संकेत मिलता है कि विदेशी निवेशक अब भी भारतीय बाजार के प्रति सावधानी बरत रहे हैं। वे इक्विटी में उतार-चढ़ाव से बचते हुए डेट और म्यूचुअल फंड में भरोसा दिखा रहे हैं। आने वाले हफ्तों में एफपीआई के निवेश का रुझान और स्पष्ट होगा।

इस सप्ताह अस्थिर रह सकता है घरेलू शेयर बाजार

- वैश्विक कारकों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों ने तेजी और गिरावट के मिश्रित रुझान दिखाए। सोमवार को बाजार में शुरुआती तेजी रही, लेकिन अगले ही दिन गिरावट देखने को मिली। मंगलवार और शुक्रवार को फिर तेजी दर्ज हुई, जिससे बीएसई का सेंसेक्स और निफ्टी-50 इस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। हालांकि अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में गिरावट दर्ज की गई। निवेशक अब इस सप्ताह वैश्विक कारकों और रुपये की चाल पर नजर रखेंगे, क्योंकि बीते सप्ताह रुपये में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार अस्थिर रह सकता है। रुपये की कमजोरी से आयातित महंगाई बढ़ सकती है, जो कंपनियों के मुनाफे पर दबाव डाल सकती है। वहीं वैश्विक बाजारों की दिशा और तेल-सोना जैसे कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी घरेलू बाजार की चाल को प्रभावित कर सकता है। इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी जारी होंगे, लेकिन शुक्रवार शाम को आने के कारण उनका असर अगले सप्ताह ही दिखाई देगा। निवेशक इन आंकड़ों के आधार पर लंबी अवधि के निवेश और पोर्टफोलियो समायोजन कर सकते हैं।

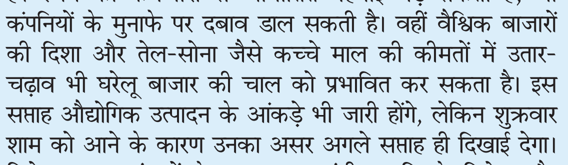

इंडिगो 22 दिसंबर से सेंसेक्स में होगी शामिल

- इंटरग्लोब एविएशन करेगा 7,270 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड 22 दिसंबर से बीएसई के 30 शेयरों वाले प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने सूचकांकों के पुनर्गठन की घोषणा करते हुए बताया कि इस बदलाव के साथ टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को सेंसेक्स से बाहर कर दिया जाएगा। यह परिवर्तन सोमवार यानी 22 दिसंबर को बाजार खुलते ही प्रभावी हो जाएगा। सूचना के बाद शनिवार को इंडिगो का शेयर 0.92 फीसदी की बढ़त के साथ 5,840.25 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई ने अन्य इंडेक्स में भी बदलाव किए हैं। बीएसई 100 सूचकांक में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को शामिल किया गया है, जो अडानी ग्रीन एनर्जी की जगह लेगा। इसके अलावा बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 50 में मैक्स हेल्थकेयर को जोड़ा जाएगा, जबकि इंडसइंड बैंक को इस सूचकांक से हटा दिया गया है। विश्लेषकों का मानना है कि इन बदलावों से संबंधित शेयरों में निवेशकों का रुझान बढ़ सकता है। इंडिगो ने विमान अधिग्रहण को तेज करने के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी इंटरग्लोब एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर यानी लगभग 7,270 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि यह निवेश शेयरों और 0.01 फीसदी गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर के संयोजन में एक या अधिक किस्तों में किया जाएगा। इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से विमान और विमानन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए किया जाएगा, ताकि कंपनी अधिक विमान अपनी प्रत्यक्ष स्वामित्व में ले सके। विमान ट्रैकिंग वेबसाइट प्लेनस्पॉटर के अनुसार, 21 नवंबर तक इंडिगो के बेड़े में कुल 411 विमान हैं, जिनमें से 365 परिचालन में हैं जबकि 46 ग्राउंडेड हैं। पारंपरिक रूप से लीजिंग मॉडल पर संचालन करने वाली इंडिगो ने 12 अक्टूबर 2023 को आईएफएससी इकाई बनाई थी, जो अब विमान खरीदने और उन्हें इंडिगो को ही लीज पर देने का काम करती है। यह कदम कंपनी की दीर्घकालिक लागत रणनीति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

यूफ्लेक्स धारवाड़ में पैकेजिंग फिल्म क्षमता बढ़ाने 700 करोड़ निवेश करेगी

- 54,000 टन प्रति वर्ष नई क्षमता जोड़ने से वैश्विक उत्पादन बढ़कर 6,90,160 टन होगा

नई दिल्ली । फ्लेक्सिबल पैकेजिंग कंपनी यूफ्लेक्स लिमिटेड कर्नाटक के धारवाड़ में अपने संयंत्र में पैकेजिंग फिल्म उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इस निवेश से धारवाड़ संयंत्र में 54,000 टन प्रति वर्ष की नई क्षमता जुड़ जाएगी। यूफ्लेक्स के समूह अध्यक्ष ने बताया कि यह परियोजना कंपनी के वैश्विक पोर्टफोलियो को मजबूत करेगी। निवेश के बाद कंपनी की वैश्विक पैकेजिंग फिल्म क्षमता 6,36,160 टन से बढ़कर 6,90,160 टन प्रति वर्ष हो जाएगी। धारवाड़ में यह विस्तार गुजरात के साणंद में हाल ही में पूरी हुई एसेप्टिक पैकेजिंग क्षमता वृद्धि के बाद हो रहा है। इसके अलावा, मिस्र, मेक्सिको और नोएडा में चल रही रणनीतिक परियोजनाएं भी कंपनी की वैश्विक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

तेल-तिलहन बाजार: सरसों और पामोलीन की कीमतें गिरीं

- सोयाबीन और मूंगफली तेल में मामूली सुधार

नई दिल्ली । बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में कीमतों में मिली-जुली चाल रही। सरसों और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि सोयाबीन और मूंगफली तेल में त्योहारी और जाड़े की मांग के असर से हल्का सुधार देखने को मिला। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव किसानों की आपूर्ति, घरेलू मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थितियों का प्रत्यक्ष परिणाम है। सरसों के दाम 25 रुपये कम होकर 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सरसों दादरी तेल 75 रुपये गिरकर 14,675 रुपये और पक्की व कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,455-2,555 और 2,455-2,590 रुपये प्रति टिन (15 किलो) पर रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों के ऊंचे भाव के कारण लिवाली अपेक्षा अनुसार नहीं हो रही, जिससे कीमतें गिरीं। सोयाबीन तेल की कीमतों में मामूली सुधार देखने को मिला। दिल्ली और इंदौर में सोयाबीन तेल क्रमशः 13,325 और 13,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए, जबकि डीगम तेल 50 रुपये बढ़कर 10,200 रुपये पर पहुंचा। त्योहारी मांग और सरकार की खरीद की उम्मीद से गिरावट सीमित रही। जाड़े की मांग के चलते मूंगफली तिलहन 100 रुपये बढ़कर 6,275-6,650 रुपये प्रति क्विंटल, गुजरात का मूंगफली तेल 250 रुपये बढ़कर 14,750 रुपये और साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये बढ़कर 2,400-2,700 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सीपीओ तेल 50 रुपये गिरकर 11,250 रुपये, पामोलीन दिल्ली 13,050 रुपये और पामोलीन एक्स कांडला 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। बिनौला तेल के दाम भी 100 रुपये कम होकर 12,450 रुपये पर रहे।

यूनिसन मेटल्स ने की 1:10 शेयर स्प्लिट करने की घोषणा

- शेयर स्प्लिट का फैसला और रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली । स्टेनलेस स्टील निर्माता यूनिसन मेटल्स लिमिटेड ने अपने शेयरों को 1:10 के रेशियो में स्प्लिट करने का बड़ा फैसला लिया है। यानी, अब जो शेयर 10 रुपए फेस वैल्यू के थे, उन्हें 10 नए शेयरों में बांट दिया जाएगा, प्रत्येक का फेस वैल्यू केवल 1 रुपए होगा। यह प्रस्ताव 29 सितंबर 2025 को हुई वार्षिक आम बैठक में शेयरहोल्डर्स द्वारा पास किया गया। कंपनी ने रिकॉर्ड डेट 28 नवंबर तय की है। इस तारीख तक जिनके पास शेयर होंगे, उन्हें पुराने शेयरों के बदले नए शेयर मिल जाएंगे। शेयर स्प्लिट के बावजूद निवेशकों की कुल राशि में कोई बदलाव नहीं होगा। केवल शेयरों की संख्या 10 गुना बढ़ जाएगी और कीमत अपने आप एडजस्ट हो जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी निवेशक के पास 100 शेयर थे, तो स्प्लिट के बाद उन्हें 1000 नए शेयर मिलेंगे। इस कदम का उद्देश्य छोटे निवेशकों के लिए शेयर खरीदना आसान बनाना और बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाना है। यूनिसन मेटल्स यूसीएम ग्रुप का हिस्सा है और यह हॉट-कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील शीट्स, किचनवेयर, बर्तन-कटलरी और स्टोरेज टैंक्स बनाती है। कंपनी ने यूनाइटेड नेशंस इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के साथ विभिन्न प्रोडक्ट्स में कोलैबोरेशन के लिए भी नामांकित किया गया है।

एसएमएफसीएल ने समुद्री क्षेत्र में 25,000 करोड़ तक फाइनेंसिंग की मंजूरी दी

नई दिल्ली । भारत की पहली समुद्री क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी सागरमाला फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएमएफसीएल) ने कुल 25,000 करोड़ रुपये तक कर्ज लेने की मंजूरी दी है। इस वित्त वर्ष (2024-25) में कंपनी 8,000 करोड़ रुपये तुरंत जुटाएगी ताकि लोन देना जल्दी शुरू किया जा सके। एसएमएफसीएल देश की प्रमुख रेटिंग एजेंसियों से संपर्क कर रही है। समुद्री क्षेत्र की मजबूत संभावनाओं और लंबी प्रोजेक्ट लाइन के चलते एपेक्स रेटिंग मिलने की उम्मीद है। अच्छी रेटिंग से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और कर्ज पर ब्याज दर कम होगी। कंपनी का लक्ष्य भारत को दुनिया के बड़े जहाज निर्माण देशों में शामिल करना है। एसएमएफसीएल सरकारी और प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों को शॉर्ट-टर्म, मीडियम-टर्म और लॉन्ग-टर्म लोन देगी। साथ ही, कैश फ्लो और गारंटी जैसी सेवाएं भी प्रदान करेगी।

यशराज की एक्शन फिल्म में हुई ऐश्वर्य ठाकरे की एंट्री

यशराज फिल्म्स की अगली बड़ी एक्शन-रोमांस फिल्म इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में है। वजह है शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे का इस फिल्म में एंट्री करना। खास बात यह है कि ऐश्वर्य पहली बार बड़े पर्दे पर कदम रख रहे हैं- वह भी सीधे विलेन के रूप में। उनकी टक्कर होगी नए जमाने के उभरते सितारे अहान पांडे से, जबकि शरवरी वाघ फिल्म की मुख्य अभिनेत्री होंगी। निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं बड़े कैनवस वाली फिल्मों के लिए मशहूर अली अब्बास ज़फर। फिल्म इंडस्ट्री में हर बार किसी नए चेहरे की एंट्री होती है, तो दर्शकों में उत्सुकता बढ़ जाती है। लेकिन इस बार मामला कुछ खास है, क्योंकि ऐश्वर्य ठाकरे का लॉन्च सीधे बड़े पैमाने की फिल्म में, एक मजबूत नेगेटिव किरदार के रूप में हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में उनका किरदार सिर्फ विरोधी नहीं, बल्कि कहानी की पूरी दिशा तय करने वाला बताया जा रहा है। वहीं अहान पांडे, जिन्हें हाल ही में 'सैयारा' से युवाओं में जबरदस्त पहचान मिली, इस फिल्म के हीरो हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच होने वाला क्लैश फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा।

अहान पांडे की कड़ी तैयारी

यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक बड़े कैनवस की कहानी नहीं, बल्कि कलाकारों के लिए भी बड़ा चैलेंज है।

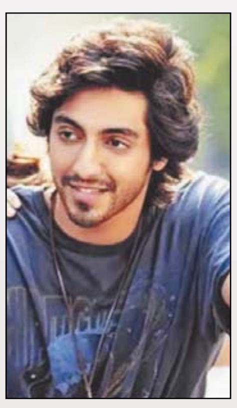

खबर है कि अहान पांडे फिल्म के लिए रोजाना कई घंटों की ट्रेनिंग लेते हैं। सुबह बॉक्सिंग से शुरू होने वाला सेशन धीरे-धीरे मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक जाता है। उनकी ट्रेनिंग का लेवल देखकर साफ है कि फिल्म में हाई-इंटेंसिटी फाइट सीक्वेंस होंगे, जो बड़े पर्दे पर देखने लायक होंगे।
ऐश्वर्य ठाकरे का नाम राजनीति से लेकर ग्लैमर वर्ल्ड तक अक्सर चर्चा में रहा है। लेकिन पहली बार वे किसी बड़े प्रोजेक्ट में अभिनय करने जा रहे हैं, वह भी एक ऐसे किरदार के रूप में जो फिल्म के टोन को तय करेगा। फिल्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अगर यह किरदार दर्शकों को पसंद आया, तो ऐश्वर्य को एक दमदार शुरुआत मिल सकती है।

'गुस्ताख इश्क' में हमने पूरी ईमानदारी से काम किया है

उम्मीद है कि दर्शक भी उतना ही प्यार देंगे

90 के दशक वाले प्यार की सादगी और गहराई को नए अंदाज में दिखाने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विभु पुरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार फातिमा सना शेख और विजय वर्मा साथ नजर आएंगे। फिल्म में रिश्तों, प्यार और भावनाओं की जटिलताओं को पेश किया गया है। इसका खास आकर्षण गुलजार और विशाल भारद्वाज का संगीत है, जिसे दर्शक लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में फातिमा ने बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

90 के दशक की बहुत सी बातें याद आती हैं, खासकर उस दौर का सच्चा प्यार और जज्बात। आपको उस समय की कौन-सी बातें सबसे ज्यादा याद आती हैं?

बचपन में जब शाम के 7 बजे डिज्नी चैनल आता था, तो हम सब बच्चे खेलना छोड़कर टीवी देखने दौड़ पड़ते थे। उस वक्त न वीडियो गेम्स थे, न फोन। बस वही स्नेक वाला गेम होता था, वो भी पेरेंट्स के फोन पर। हर शाम दोस्तों के साथ बाहर खेलना और बातें करना सबसे मजेदार होता था। तब न ग्रुप चैट्स थीं, न ऑनलाइन डेटिंग। हम सब असली में मिलते थे, इसलिए वो दिन बहुत याद आते हैं।

आपका नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?

मुझे बहुत मजा आया। शुरू में मैं नर्वस थी क्योंकि उनका काम देखकर सब प्रभावित होते हैं। लगा कि वो मेरी परफॉर्मेंस को जज करेंगे, इसलिए बेस्ट देना चाहती थी। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव और केयरिंग हैं, हमेशा मदद करते हैं, इसलिए अनुभव बहुत अच्छा रहा।

आपके अपने को-एक्टर विजय वर्मा की कौन-सी बात सबसे अच्छी लगती है?

विजय बहुत समझदार, टैलेंटेड और अच्छे इंसान हैं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर शानदार है, जिससे हमारी अच्छी दोस्ती हो गई। मैं खुश हूं कि उनसे मुलाकात हुई।

आपकी फिल्म में गुलजार साहब, विशाल भारद्वाज और मनीष मल्होत्रा जैसे बड़े नाम जुड़े हैं। ट्रेलर को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, इसे आप कैसे देखती हैं?

ट्रेलर और गानों को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इतने बड़े कलाकारों के साथ काम करना बहुत खुशी की बात है। मनीष सर ने भरोसा दिखाया, नसीर जी ने बहुत प्यार दिया और सबने मिलकर पूरी ईमानदारी से काम किया। अब उम्मीद है कि दर्शक भी फिल्म को उतना ही प्यार देंगे, जितने प्यार से हमने इसे बनाया है।

कोंकणा सेन शर्मा ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी

कोंकणा सेन शर्मा ने न सिर्फ एक अभिनेत्री बल्कि एक डायरेक्टर के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने साल 2016 में आई फिल्म डेथ इन द गंज का निर्देशन किया। वह लस्ट स्टोरीज 2 की सह-निर्देशक रहीं। अब एक्ट्रेस-डायरेक्टर ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी है। कॉमेडी फिल्म का निर्देशन करने वाली हैं अभिनेत्री अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए कोंकणा सेन शर्मा ने बताया यह एक कॉमेडी शो है, जिसे मैं अपने कॉलेज के दोस्त जयदीप सरकार के साथ लिख रही हूं और इसका निर्देशन कर रही हूं। मैं इसे लेकर थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन इसके साथ हमें मजा आने वाला है। कई कलाकार अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करते हैं। ऐसे में कोंकणा सेन शर्मा से पूछा गया कि क्या वह अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करेंगी? इस पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें बतौर अभिनेत्री काम करूंगी। मेरे पास कई दूसरे अच्छे कलाकार हैं, इसलिए मैं चीजों को अपने लिए मुश्किल क्यों बनाऊं। मैंने देखा है कि कलाकार प्रोजेक्ट को खुद लिखते हैं और उसका निर्देशन करते हैं। हालांकि मेरे पास अभी वो काबिलियत नहीं है। कोंकणा सेन शर्मा ने फिल्म पेज 3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हाल ही में वह साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो के सीक्वल मेट्रो... इन दिनो में नजर आईं। इसमें पंकज त्रिपाठी, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे कलाकार थे। इसका निर्देशन अनुराग बसु ने किया।

राहु केतु में कॉमेडी में रंग जमाते दिखेंगे पुलकित और वरुण;

अमित सियाल की एंट्री शानदार

कॉमेडी की डबल डोज लेकर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा हाजिर हो गए हैं। हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म 'राहु केतु' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें सीरियस एक्टिंग के लिए मशहूर अमित सियाल भी नजर आए। टीजर में फिल्म की कहानी की झलक भी मिली। टीजर में पुलकित और वरुण धवन जब भी साथ होते हैं तो लोगों का नुकसान ही करते हैं। गांव में सभी इन्हें मनहूस मानते हैं। यह दोनों जिसकी जिंदगी में जाते हैं, उसके लिए मुश्किलों का दौर शुरू हो जाता है। टीजर में एक जगह पर राहु केतु का रेफरेंस भी दिखाया गया है।

अमित सियाल की दमदार एंट्री

आगे टीजर में अमित सियाल भी नजर आते हैं। वरुण और पुलकित का किरदार मिलकर अमित के कैरेक्टर की जिंदगी को मुश्किल बना देते हैं। आगे

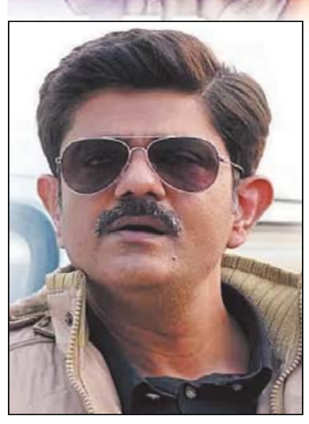

चलकर इनके बीच दुश्मनी भी दिखती है। इस कॉमेडी फिल्म में अमित सियाल का कैरेक्टर नेगेटिव नजर आता है।

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, अमित सियाल के अलावा शालिनी पांडे, पीयूष मिश्रा और चंकी पांडे भी नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

....इसलिए पवन कल्याण को पसंद करती हैं राशि

अभिनेत्री राशि खन्ना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 120 बहादुर को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं लेकिन कोई ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था, जिसकी स्क्रिप्ट पढ़े बिना उन्होंने साइन किया हो। हालांकि उन्होंने बताया कि तेलुगु फिल्म उस्ताद भगत सिंह की स्क्रिप्ट सुने बिना ही इसे साइन किया। एक इंटरव्यू में राशि खन्ना ने फिल्म उस्ताद भगत सिंह के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकार पवन कल्याण की भी तारीफ की है। अपनी अगली फिल्म उस्ताद भगत सिंह में काम करने के बारे में पूछे जाने पर, राशि ने बताया यह एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसे मैंने बिना स्क्रिप्ट सुने साइन कर लिया। मैंने हां कह दिया क्योंकि यह पवन कल्याण की फिल्म है। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी क्योंकि उनके पास स्टारडम है। मुझे पता है कि यह उनकी फिल्म है और मैं इसका हिस्सा हूं। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। कभी-कभी आप ऐसी फिल्में मशहूर होने के लिए करते हैं।

पवन कल्याण के बारे में बात करते हुए राशि ने कहा मैं इस चीज को बहुत पसंद करती हूं कि वह महिलाओं के प्रति सम्मान रखते हैं। दूसरी बात यह है कि आम लोगों को भी वह बहुत प्रेम करते हैं। इन सबके अलावा वह एक बहुत अच्छे अभिनेता हैं। राशि ने आगे बताया उनकी कॉमिक टाइमिंग शानदार है। मैंने सेट पर ऐसी छोटी-छोटी चीजें देखीं, जिनसे मैं हैरान हो गई। मुझे नहीं लगता कि उन्हें पता है कि वो कितने अच्छे हैं। ये पहली बार था जब मैं किसी सेट पर किसी स्टार से इतना प्रभावित हुई।

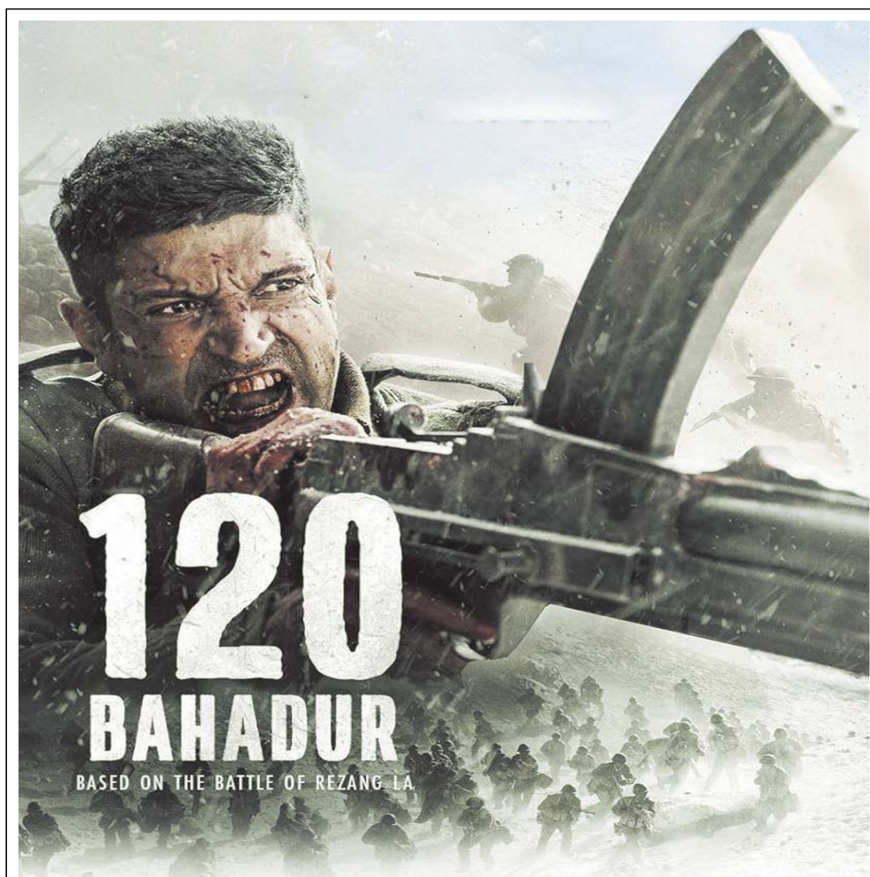

युद्ध नहीं, कुर्बानी दिखाती है फिल्म

फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर का दर्शकों को काफी इंतजार था। यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। कई दर्शकों ने फिल्म को देखकर इस पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं दर्शकों को यह फिल्म कैसी लगी है?

यूजर को पसंद आया फरहान का अभिनय

एक यूजर ने 120 बहादुर और फरहान अख्तर की तारीफ की है। उन्होंने लिखा है क्या हम फरहान अख्तर की स्क्रीन प्रेजेंस के बारे में बात कर सकते हैं? हर फ्रेम, हर डायलॉग और हर झलक बहुत अच्छी है। इस फिल्म को सिर्फ उनके लिए देखा जाना चाहिए।

यूजर ने दर्शकों से की ये गुजारिश

एक यूजर ने फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने लिखा है 120 बहादुर फिल्म देखी। बिना हवा के सपोर्ट के 118 जवान -30 डिग्री में आखिरी सांस और आखिरी गोली तक लड़े। यह फिल्म युद्ध नहीं कुर्बानी दिखाती है। फिल्म को जरूर देखें।

फिल्म देखें ताकि इतिहास न भूलें

एक यूजर ने फैंस से गुजारिश की है कि इस फिल्म को जरूर देखें ताकि आप रोजांग ला में सैनिकों की कुर्बानी और इतिहास न भूलें। एक दूसरे यूजर ने फिल्म में फरहान अख्तर की अदाकारी की तारीफ की है।

फरहान को बताया असली मेजर शैतान सिंह

एक और यूजर ने फिल्म में फरहान अख्तर के अभिनय की तारीफ की है। उन्होंने फरहान अख्तर को असल जिंदगी का मेजर शैतान सिंह बताया है। एक दूसरे यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए इसे असली कहानी और असली भावना बताया है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर, राशि खन्ना, स्पर्श वालिया, विवान भटेना, धनवीर सिंह, दिग्विजय प्रताप, साहिब वर्मा, अंकित सिवाच, देवेंद्र अहिरवार औप एजाज खान हैं। फिल्म को रजनीश राजी घई ने डायरेक्ट किया है।

फिल्म का नाम 120 बहादुर ही क्यों रखा गया?

17 नवंबर 1962 की रात जो हुआ, उसके बाद 18 नवंबर की सुबह तक जो भी हुआ, वो एक आदमी का अकेला काम नहीं था। एक आदमी था जो बहुत बढ़िया नेता था, बहादुर और डर के आगे नहीं झुकने वाला। उसने अपने सैनिकों में जोश और हौसला बढ़ाया, लेकिन लड़ाई में 120 सैनिक थे। इसलिए हमें लगा कि फिल्म का सही नाम होना चाहिए '120 बहादुर,' क्योंकि ये फिल्म पूरी कंपनी के बारे में है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in